Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 261
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार, 27 सितम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक
मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 पीएम मोदी से मिले फडणवीसः बाढ़ राहत से ...
4 ट्रंप के दबाव के बीच भारत की 7.8इ जीडीपी ...
7 मोहम्मद कैफ ने जसप्रीत बुमराह की ...

नवरात्रि का छठा दिन

मां कात्यायिनी

मां का स्वरूप

मां कात्यायनी अमोघ फलदायिनी हैं,इनका स्वरूप अत्यंत ही भव्य और दिव्य है। इनका वर्ण स्वर्ण के समान चमकीला और भास्वर है। शेर पर सवार मां की चार भुजाएं हैं, इनके बायें हाथ में कमल और तलवार व दाहिनें हाथों में स्वास्तिक व आशीर्वाद की मुद्रा अंकित है। भगवान कृष्ण को पाने के लिए व्रज की गोपियों ने इन्ही की पूजा कालिंदी नदी के तट पर की थी।ये ब्रज मंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

कौन हैं मां कात्यायनी

कत नामक एक प्रसिद्द महर्षि थे,उनके पुत्र ऋषि कात्य हुए। इन्हीं कात्य के गोत्र में विश्व प्रसिद्द महर्षि कात्यायन उत्पन्न हुए थे। इन्होने भगवती पराम्बा की उपासना करते हुए बहुत वर्षों तक बड़ी कठिन तपस्या की थी। उनकी इच्छा थी कि मां भगवती उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लें। मां भगवती ने उनकी यह प्रार्थना स्वीकार कर ली। कुछ काल पश्चात जब दानव महिषासुर का अत्याचार पृथ्वी पर बहुत अधिक बढ़ गया था तब भगवान ब्रह्मा,विष्णु, महेश तीनों ने अपने-अपने तेज़ का अंश देकर महिषासुर के विनाश के लिए एक देवी को प्रकट किया। महर्षि कात्यायन ने सर्वप्रथम इनकी पूजा की और देवी इनकी पुत्री कात्यायनी कहलाईं।

पूजाविधि

दुर्गा पूजा के छठे दिन भी सर्वप्रथम कलश व देवी के स्वरूप मां कात्यायनी की पूजा कि जाती है। पूजा की विधि शुरू करने पर हाथों में सुगन्धित पुष्प लेकर देवी को प्रणाम कर देवी के मंत्र का ध्यान करना चाहिए। मां को श्रृंगार की सभी वस्तुएं अर्पित करें। मां कात्यायनी को शहद बहुत प्रिय है इसलिए इस दिन मां को भोग में शहद अर्पित करें। देवी की पूजा के साथ भगवान शिव की भी पूजा करनी चाहिए।

पूजा फल

देवी भागवत पुराण के अनुसार देवी के इस स्वरूप की पूजा करने से शरीर कांतिमान हो जाता है। इनकी आराधना से गृहस्थ जीवन सुखमय रहता है। मां कात्यायिनी की भक्ति और उपासना द्वारा मनुष्य को बड़ी सरलता से अर्थ, धर्म, काम,मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति हो जाती है। उसके रोग,शोक, संताप और भय आदि सर्वथा नष्ट हो जाते हैं।

किनको होगा लाभ

जिनके विवाह में विलम्ब हो रहा हो या जिनका वैवाहिक जीवन सुखी नहीं है वे जातक विशेष रूप से मां कात्यायिनी की उपासना करें,लाभ होगा।

स्तुति मंत्र

या देवी सर्वभूतेषु माँ कात्यायनी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
चंद्र हासोज्जवलकरा शार्दूलवर वाहना।
कात्यायनी शुभंदद्या देवी दानवघातिनि।।

बंगाल में बदलाव का शंखनाद!

अमित शाह बोले- नई सरकार ही लाएगी 'सोनार बांग्ला' का गौरव

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कोलकाता के संतोष मित्रा स्क्वायर स्थित दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया, जहाँ इस वर्ष सैन्य थीम पर आधारित 'ऑपरेशन सिंदूर' की झलक दिखाई गई है। इसके बाद उन्होंने राज्य के राजनीतिक भविष्य के लिए प्रार्थना की कि मैंने माँ से प्रार्थना की है कि चुनावों के बाद, इस बंगाल में ऐसी सरकार आए जो सोनार बांग्ला (स्वर्णिम बंगाल) का निर्माण कर सके। हम यहाँ कविगुरु (रवींद्रनाथ टैगोर) की कल्पना का बंगाल बना सकें।'

अमित शाह ने राज्य के विकास को एक 'राष्ट्रीय' दृष्टिकोण से जोड़ते हुए आशा व्यक्त की कि यह पूजा 'हमें शुभता की ओर ले जाएगी, और हमारे नेता नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित विकसित भारत का सपना बंगाल के विकास के माध्यम से साकार होगा।' उन्होंने कहा कि माँ दुर्गा के आशीर्वाद से बंगाल में 'सोनार बांग्ला' का निर्माण करने वाली

सरकार बनेगी और बंगाल पुनः सुरक्षित, शांत, समृद्ध और सुजलाम-सुफलाम होगा।

गृह मंत्री ने राज्य में हाल में हुई वर्षाजनित घटनाओं में हुई मौतों पर भी शोक व्यक्त किया। शाह ने कहा, ''उत्सव की शुरुआत में, हमने एक बहुत ही दुखद क्षण का अनुभव किया। दस से अधिक लोगों की जान चली गई। मैं मारे गये सभी लोगों को श्रद्धांजलि देता हूं।'' गत 23 सितंबर को कोलकाता और आसपास के इलाकों में मूसलाधार बारिश के बाद कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई थी। शाह ने बंगाल के दुर्गा पूजा उत्सव को एक सांस्कृतिक धरोहर बताया, जिसकी प्रशंसा पूरे विश्व में की जाती है। उन्होंने कहा, ''यह नौ दिवसीय नवरात्र उत्सव न केवल बंगाल और भारत में, बल्कि पूरे विश्व में प्रसिद्ध हो गया है। बंगाल की इस महान परंपरा को पूरी दुनिया बड़े हर्षोल्लास के साथ देखती है। नौ दिनों तक, बंगाल में हर कोई शक्ति की उपासना में समर्पित रहता है।''

शाह ने कहा, ''दुर्गा पूजा का त्योहार बंगाल को नयी ऊंचाइयों की ओर ले जाए और राज्य के विकास के माध्यम से हम एक विकसित भारत के विचार को साकार करने में सक्षम हों जिसका सपना हमारे नेता नरेन्द्र मोदी जी ने देखा है।'' गृह मंत्री ने साल्ट लेक स्थित पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (ईजेडसीसी) में भाजपा समर्थित पश्चिम बंग संस्कृति मंच के दुर्गा पूजा पंडाल का भी उद्घाटन किया।

सुप्रीम कोर्ट ने महुआ मोइत्रा की याचिका पर सुनवाई 9 अक्तूबर तक टाली, सेबी से मांगा गया जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की याचिका की सुनवाई नौ अक्तूबर तक टाल दी है। महुआ मोइत्रा ने अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों और उनके दलालों के असली मालिकों और उनके पोर्टफोलियो की सार्वजनिक जानकारी अनिवार्य करने की मांग की है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल में कहा था कि मोइत्रा को सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) को अपनी मांगों की पूरी जानकारी देनी होगी।

मामले में अदालत ने शुक्रवार को पूछा कि क्या मोइत्रा ने सेबी को अपनी मांग की जानकारी दी है। उनके वकील प्रशांत भूषण ने बताया कि मई में यह मांग सेबी को दी गई थी, जिसका जवाब 23 सितंबर को मिला। उन्होंने कहा कि जवाब को कोर्ट में प्रस्तुत करेंगे और याचिका के जवाब के रूप में स्वीकार किया जाए।

सरकार के वकील ने क्या कहा?

इसके साथ ही सरकार के वकील ने कहा कि सेबी ने सभी सवालों का जवाब दे दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए 9 अक्टूबर की तारीख तय की है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा- भारत को दुर्लभ खनिज तत्वों के उत्पादन में बनना होगा आत्मनिर्भर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक हालात को देखते हुए भारत को दुर्लभ खनिज तत्वों (आरईई) के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने कहा कि यह कदम न केवल भारत को विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ाएगा, बल्कि देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भारत के लिए यह बहुत जरूरी है- राष्ट्रपति

राष्ट्रीय भू-विज्ञान पुरस्कार 2024 समारोह में बोलते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, 'वर्तमान वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए भारत के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह दुर्लभ खनिज तत्वों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बने।' उन्होंने बताया कि ये तत्व वास्तव में कम नहीं हैं, लेकिन इन्हें पहचानने और अलग करने की प्रक्रिया बेहद जटिल है। यदि देश में स्वदेशी तकनीक विकसित हो जाए, तो यह चुनौती काफी हद तक आसान हो सकती है।

'स्थिरता और नवाचार पर जोर दे रहा खनन मंत्रालय'

राष्ट्रपति ने कहा कि यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सेमीकंडक्टर और स्वच्छ ऊर्जा तकनीक का दौर है। दुर्लभ खनिज तत्व स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), पवन ऊर्जा संयंत्र और नवीकरणीय ऊर्जा तकनीकों में अहम भूमिका निभाते हैं। ये 17 प्रकार के विशेष धात्विक तत्वों का समूह हैं, जो आधुनिक तकनीकों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने बताया कि खनन मंत्रालय स्थिरता और नवाचार पर जोर दे रहा है। खनन क्षेत्र में एआई, मशीन लर्निंग और ड्रोन आधारित सर्वेक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अलावा खदानों से निकलने वाले अवशेषों से भी मूल्यवान तत्वों की रिकवरी पर काम हो रहा है।

राहुल गांधी का वारः भाजपा का दूसरा नाम 'पेपर चोर', युवाओं के साथ खड़ा हूं

देहरादून।उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) स्नातक स्तरीय प्रतियोगी परीक्षा 2025 में गड़बड़ी के आरोपों के बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को भाजपा पर नए हमले किए और उस पर 'पेपर चोर' होने का आरोप लगाया। एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, 'आज भाजपा का दूसरा नाम है - पेपर चोर! देश भर में बार-बार हो रहे पेपर लीक ने लाखों मेहनती युवाओं के जीवन और सपनों को बर्बाद कर दिया है। उत्तराखंड में यूकेएसएसएससी पेपर लीक इसका ताजा उदाहरण है। लाखों युवाओं ने दिन-रात मेहनत की, लेकिन भाजपा ने चोरी करके उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर दिया।'

कांग्रेस सांसद ने आगे आरोप लगाया कि मोदी सरकार को सिर्फ़ अपनी सत्ता की चिंता है, युवाओं की बेरोज़गारी की नहीं। सोशल मीडिया पोस्ट में आगे कहा गया कि हम लगातार मांग कर रहे हैं कि पेपर लीक रोकने के लिए एक मज़बूत और पारदर्शी व्यवस्था बनाई जाए। लेकिन मोदी सरकार इस पर आँखें मूंदे हुए है - क्योंकि उन्हें युवाओं

की बेरोज़गारी की नहीं, बल्कि अपनी सत्ता की चिंता है। यह टिप्पणी उनके उस आरोप के एक हफ़्ते बाद आई है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान कर्नाटक के अलंद निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वोट चोरी की कोशिश की गई थी। कांग्रेस सांसद ने कथित पेपर लीक मामले को 'वोट चोरी' के अपने पहले के आरोपों से जोड़ते हुए दावा किया कि बेरोज़गारी और वोट चोरी एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, 'बेरोज़गारी आज देश की सबसे बड़ी समस्या है और इसका सीधा संबंध वोट चोरी से है। कागज चोर जानते हैं कि अगर युवाओं को नौकरी नहीं भी मिली, तो भी वे चुनावों में वोट चुराकर सत्ता में बने रहेंगे।' गांधी ने युवाओं और हर छात्र के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए इसे 'न्याय और लोकतंत्र की लड़ाई' बताया।

कांग्रेस नेता ने एक्स पर पोस्ट किया, 'युवा सड़कों पर हैं और 'कागज़ चोर गड्डी छोड़!' का नारा लगा रहे हैं। यह सिर्फ़ युवाओं की नौकरियों की लड़ाई नहीं है; यह न्याय और लोकतंत्र की लड़ाई है। मैं न्याय की इस लड़ाई में हर छात्र और युवा के साथ मजबूती से खड़ा हूँ।'

केरल से बिहार तक एसआईआर पर संग्रामः कांग्रेस ने सीएम विजयन को घेरा, उठाए बड़े सवाल

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर रुख की आलोचना की। पत्रकारों से बात करते हुए, वेणुगोपाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विजयन को छोड़कर, जो इसका समर्थन करते रहे हैं, हर कोई एसआईआर का विरोध करता है। उन्होंने कहा, 'केरल के मुख्यमंत्री को छोड़कर, जो इसका समर्थन करते रहे हैं, हर कोई एसआईआर का विरोध करता है।'

इसके अलावा, बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उठे विवाद के बीच, कांग्रेस महासचिव गुलाम अहमद मीर ने बुधवार को कहा कि पार्टी लोगों के बीच जाएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी पात्र मतदाता मताधिकार से वंचित न रहे। मीर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एसआईआर के खिलाफ नहीं है, लेकिन बिहार में इसके अचानक लागू होने के खिलाफ है। उन्होंने आगे कहा कि अगर चुनाव आयोग एसआईआर लागू करना ही चाहता था, तो उसे लोकसभा चुनावों के तुरंत बाद पूरे देश में ऐसा करना चाहिए था।

एएनआई से बात करते हुए, कांग्रेस नेता ने कहा, '...कांग्रेस एसआईआर के खिलाफ नहीं है। उन्हें (चुनाव आयोग को) लोकसभा चुनावों के बाद इसे पूरे देश में लागू करना चाहिए था, और लोगों को अपने दस्तावेज़ तैयार करने के लिए एक निश्चित समय दिया जाना चाहिए था... हम इस मुद्दे पर लोगों के बीच जाएँगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि 18 साल से ज़्यादा उम्र का कोई भी व्यक्ति अपना वोट देने का अधिकार न खोए...' इससे पहले, बुधवार को, कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने पटना में एक बैठक के दौरान भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधा और उस पर 'लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक मूल्यों को व्यवस्थित रूप से खत्म करने' का आरोप लगाया।

लद्दाख हिंसा पर विपक्ष का केंद्र सरकार पर निशाना, केजरीवाल बोले- सत्ता के नशे में चूर है भाजपा

नई दिल्ली। लेह में 24 सितंबर को हुई हिंसा के बाद लद्दाख में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। राज्य के लोग केंद्र शासित प्रदेश को छठी अनुसूची में शामिल करने और राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं। इसी बीच कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश और आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला है।

जयराम रमेश ने कहा कि लद्दाख के लोगों की पीड़ा और गुस्सा सरकार की अंतरात्मा को झकझोरना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि लद्दाख के लोगों की जमीन और रोजगार के अधिकार खतरे में हैं। स्थानीय प्रशासन का पूरा नियंत्रण उपराज्यपाल और नौकरशाही के हाथों में है। उन्होंने कहा, 'छह साल पहले जब लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया था, तब लोगों की बड़ी उम्मीदें थीं। लेकिन आज निराशा और असंतोष है।

मद्रास हाईकोर्ट ने विजय को भेजा नोटिस, पार्टी के झंडे पर विवाद

चेन्नई। चेन्नई में मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को अभिनेता और तमिलगा वेत्रि कझगम यानी टीवीके के प्रमुख विजय को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस चेन्नई की संस्था 'थोंडई मंडला सांड्रोर धर्म परिपालना सभई' की अपील पर जारी किया गया, जिसने टीवीके के झंडे के उपयोग को चुनौती दी है। संस्था का आरोप है कि विजय की पार्टी का झंडा उनके ट्रेडमार्क और कॉपीराइट का उल्लंघन करता है।

थोंडई मंडला सांड्रोर धर्म परिपालना सभई ने यह दावा किया है कि विजय की पार्टी द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा झंडा उनके संगठन से मिलता-जुलता है। उनका कहना है कि टीवीके को इस झंडे का इस्तेमाल रोकना चाहिए क्योंकि इससे उनके अधिकारों का हनन हो रहा है।

सिंगल जज का पुराना आदेश

इससे पहले 18 अगस्त को एक सिंगल जज ने मामले की सुनवाई करते हुए टीवीके को झंडे के इस्तेमाल से रोकने से इंकार कर दिया था। अदालत ने कहा था कि इस स्तर पर झंडे के उपयोग पर रोक लगाने का कोई पर्याप्त कारण सामने नहीं आया है।

सिंगल जज के आदेश से असंतुष्ट होकर सभई ने डिवीजन बेंच में अपील दाखिल की। अपील में दोबारा यह मांग रखी गई कि विजय की पार्टी को झंडे के इस्तेमाल से रोका जाए क्योंकि इससे भ्रम और अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है।

डिवीजन बेंच की सुनवाई

जस्टिस जी. जयचंद्रन और जस्टिस एम. सुधीर कुमार की डिवीजन बेंच ने शुक्रवार को इस अपील पर सुनवाई की। अदालत ने विजय और टीवीके को नोटिस जारी कर छह हफ्ते बाद अगली सुनवाई तय की। इस दौरान दोनों पक्षों से विस्तृत जवाब मांगा गया है।

61 साल बाद लखनऊ में लगेगा राष्ट्रीय जम्बूरी शिविर, स्काउटिंग के जरिए युवा शक्ति को दी जाएगी सीख

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 61 साल बाद राष्ट्रीय जम्बूरी का आयोजन होने जा रहा है। यह युवाओं की ऊर्जा का महाकुंभ बनने जा रही है। इस आयोजन के लिए लखनऊ के वृंदावन योजना स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में एक भव्य टेंट सिटी बनाई जा रही है। इस अस्थायी टेंट सिटी का भूमि पूजन 29 सितंबर को होने जा रहा है। 23 से 29 नवंबर तक होने वाली नेशनल जम्बूरी का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे, जबकि समापन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों प्रस्तावित है।

साहसिक गतिविधियों से होगा रोमांच का संचार

राष्ट्रीय जम्बूरी में हाई रोप्स, जिपलाइन, ट्रैकिंग और एडवेंचर पार्क जैसी गतिविधियों का आयोजन होगा। इनसे युवाओं को आत्मविश्वास और साहस का नया अनुभव मिलेगा। प्रतिभागी खुद को परखेंगे और अपने डर को चुनौती देंगे। जम्बूरी में ग्लोबल विलेज, लोकनृत्य, नाटक और गीत-संगीत जैसे कार्यक्रम पूरे परिसर को सांस्कृतिक रंगों से भर देंगे। यहां न केवल भारत की विविधता झलकेगी, बल्कि दुनिया की बहुरंगी परंपराओं से भी युवाओं का परिचय होगा।

मैं केवल वीकेंड पर काम करने वाला नेता नहीं, विजय पर उदयनिधि ने किया कटाक्ष

चेन्नई। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि न तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय पर उनके हालिया शनिवार के चुनावी कार्यक्रमों को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो अपनी गतिविधियों को हफ्ते के एक ही दिन तक सीमित रखते हैं। उदयनिधि ने कहा कि सा व्यक्ति नहीं हूँ जो सिर्फ़ शनिवार को ही बाहर निकलता हूँ। मैं रविवार को भी यात्रा करता रहता हूँ। मुझे तो यह भी नहीं पता कि आज कौन सा दिन है।' उनकी यह टिप्पणी विजय के हाई-प्रोफाइल शनिवार के चुनावी कार्यक्रमों की तुलना में उनके लगातार प्रचार-प्रसार के विपरीत प्रतीत हुई।

इस महीने की शुरुआत में, मंत्री दुरई मुरुगन ने अभिनेता-राजनेता के रवैये पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'विजय पर्दे के पीछे से बोल रहे हैं। पहले उन्हें बाहर तो आने दो। इससे क्या फ़र्क़ पड़ता है कि वह अपना प्रचार शनिवार

को करते हैं या रविवार को। हम अपना काम कर रहे हैं। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने भी विजय के प्रचार कार्यक्रमों पर कटाक्ष किया। 'एक राजनेता को चौबीसों घंटे, हफ़्ते के सातों दिन उपलब्ध रहना चाहिए, सिर्फ़ सप्ताहांत पर नहीं। अगर टीवीके एक गंभीर पार्टी बनना चाहती है, तो उसे अपने कामों से यह दिखाना होगा। विजय लोगों से शनिवार और रविवार को मिलते हैं, हफ़्ते के दिनों में नहीं।

उन्होंने आगे कहा था कि लोग इसे देखेंगे। अगर टीवीके डीएमके का मुख्य प्रतिद्वंद्वी बनना चाहता है, तो उसे यह दिखाना होगा। भाजपा और एआईएडीएमके के नेता जनता के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहते हैं। टीवीके को हफ़्ते के सातों दिन, 365 दिन उपलब्ध रहना चाहिए। अगर विजय कहते हैं कि वह लोगों से सिर्फ़ सप्ताहांत में ही मिलेंगे, तो इससे सवाल उठता है कि वह राजनीति को लेकर कितने गंभीर हैं।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र में भारत ने की है जबरदस्त प्रगतिः गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि बुनियादी ढांचा किसी भी देश की वृद्धि की रीढ़ है और भारत ने इस क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति की है।

गडकरी ने यहां 'भारत अवसंरचना शिखर सम्मेलन 2025' को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क अवसंरचना देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है। इसमें पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश से 10,000 किलोमीटर लंबे 25 नए एक्सप्रेसवे का विकास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, ''बुनियादी ढांचा किसी भी देश की वृद्धि की रीढ़ होता है और भारत ने इस क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति की है। हम सड़क निर्माण में शहरी कचरे का इस्तेमाल करके और हरित ईंधन, इलेक्ट्रिक वाहनों एवं 'स्क्रैपिंग' नीति को बढ़ावा देकर नवाचार कर रहे हैं।'' गडकरी ने कहा, ''हमारा दृष्टिकोण स्पष्ट है..विकास एवं पर्यावरण को साथ-साथ चलना होगा। तीन 'पी'- पीपल (लोग), प्रॉस्पेरिटी (समृद्धि) और प्लेनेट (ग्रह) के मार्गदर्शन में हमारा लक्ष्य एक सुरक्षित, हरित और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी भारत का निर्माण करना है।'' इस कार्यक्रम में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के मुख्य महाप्रबंधक सुनील जिंदल ने कहा कि पिछले दशक में एनएचएआई ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। खर्च सात गुना बढ़ गया है, निर्माण की गति 35 किलोमीटर प्रतिदिन हो गई है तथा 50,000 किलोमीटर से अधिक राजमार्ग एवं 830 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं।

महाराष्ट्र में बारिश एक आपदा, सरकार से निर्णायक कार्य की अपेक्षाः शरद पवार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार को महाराष्ट्र में भारी बारिश से हुए व्यापक नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि इस आपदा ने किसानों को तबाह कर दिया और ग्रामीण जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। उन्होंने राज्य सरकार से राहत एवं पुनर्वास प्रयासों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

पूर्व मुख्यमंत्री पवार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस आपदा ने न केवल फसलों को नष्ट किया बल्कि बड़े पैमाने पर जानवरों की भी मौत हुई है, जिससे कृषक समुदाय गंभीर संकट में है।

उन्होंने कहा, 'इस प्राकृतिक आपदा का असर केवल किसानों तक ही सीमित नहीं है। छोटे व बड़े व्यवसाय, कारीगर, खेतिहर मजदूर और गांवों में पारंपरिक बलूतेदार और पिछड़े समुदायों के सदस्य भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।'

पवार ने ग्रामीण क्षेत्रों में बिगड़ती स्थिति पर प्रकाश डालते हुए ईंधन व आवश्यक खाद्य आपूर्ति की भारी कमी की ओर इशारा किया और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को तत्काल सक्रिय व सुदृढ़ करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'बीमारियों के फैलने का खतरा बहुत ज्यादा है और स्वास्थ्य सेवाएं बिना किसी देरी के उपलब्ध कराई जानी चाहिए। शिक्षा भी बुरी तरह प्रभावित हुई है और इस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है।'

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों में मंत्रियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के लगातार दौरों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के दौरों ने प्रशासन का ध्यान नुकसान का आकलन करने और राहत उपायों को लागू करने के बजाय प्रोटोकॉल संबंधी दायित्वों को पूरा करने पर केंद्रित कर दिया है।

पवार ने चेतावनी देते हुए कहा, 'इन यात्राओं के कारण आकलन में देरी हो रही है, जिसके कारण राहत कार्य धीमा हो रहा है।' मराठवाड़ा क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में हाल ही में मूसलाधार बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण तबाह हुई फसलों का आकलन करने का काम जारी है।

इन हिस्सों में छत्रपति संभाजीनगर, जालना, लातूर, परभणी, नांदेड़, हिंगोली, बीड और धाराशिव जिले शामिल हैं। इस मानसून में अब तक इन आठ जिलों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 86 लोगों की मौत हो चुकी है।

विभिन्न संगठनों और नागरिकों से 28 सितंबर को 'राजमार्ग स्वच्छता' अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया गया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

डॉ. नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान के सदस्य बड़ी संख्या में भाग लेंगे। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक घोषित 'स्वच्छ भारत मिशन' अभियान में, नवी मुंबई महानगरपालिका शुरू से ही महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में प्रतिदिन विभिन्न स्वच्छता संबंधी गतिविधियाँ चला रही है और नागरिक इसमें बड़े पैमाने पर भाग ले रहे हैं। 25 सितंबर को आयोजित 'एक दिन, एक साथ, एक साथ' के तहत महानगरपालिका के सभी आठ विभागीय कार्यालय क्षेत्रों में विशेष गहन स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें 2 लाख से अधिक स्कूली और कॉलेज के छात्र-छात्राओं और 25 हज़ार से अधिक स्वच्छता-प्रेमी नागरिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने एकजुटता के साथ भाग लिया और अभियान को सफल बनाया।

इसी प्रकार, रविवार, 28 सितंबर को सुबह 7:00 बजे से एक महत्वपूर्ण स्वच्छता अभियान, 'महा स्वच्छता अभियान' चलाया जा रहा है। यद्यपि नवी मुंबई नगर निगम क्षेत्र से गुजरने वाला व्यस्त सायन-पनवेल राजमार्ग लोक निर्माण विभाग के अधिकार क्षेत्र में है, फिर भी चूँकि यह नवी मुंबई शहर से होकर गुजरता है, इसलिए नवी मुंबई की स्वच्छता बनाए रखने के लिए आयुक्त के मार्गदर्शन में यह महा स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।

सायन-पनवेल राजमार्ग की तरह, शहर की दूसरी मुख्य सड़क, ठाणे-बेलापुर मार्ग की भी इस दौरान सफाई की जाएगी।

दिलचस्प बात यह है कि इन राजमार्गों की सफाई करते समय, रेवदंडा, अलीबाग स्थित डॉ. श्री नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान के सदस्य बड़ी संख्या में इस राजमार्ग सफाई अभियान में भाग लेंगे। हालांकि, नवी मुंबई नगर निगम की ओर से, रविवार, 28 सितंबर को सुबह 7 बजे, नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे की ओर से जनप्रतिनिधियों, स्वच्छता-प्रेमी नागरिकों, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों, विभिन्न संगठनों और बोर्डों के सदस्यों, युवाओं और छात्रों से सायन पनवेल राजमार्ग और ठाणे बेलापुर रोड पर आयोजित होने वाले इस गहन सफाई अभियान में बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की जा रही है।

पश्चिम रेलवे के चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच को जम्बो ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता) । ट्रैक, सिगनलिंग और ओवरहेड उपस्करों के रखरखाव हेतु चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल (लोकल) स्टेशनों के बीच रविवार, 28 सितम्बर, 2025 को अप एवं डाउन धीमी लाइनों पर 10:35 बजे से 15:35 बजे तक पाँच घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान अप एवं डाउन धीमी लाइन की सभी ट्रेनों को चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल (लोकल) स्टेशनों के बीच फास्ट लाइनों पर चलाया जाएगा।

इस कारण से ब्लॉक के दौरान कुछ उपनगरीय ट्रेनें निरस्त रहेंगी तथा चर्चगेट की कुछ ट्रेनों को बांद्रा/दादर स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट/रीवर्स किया जाएगा। यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया उपर्युक्त व्यवस्था को ध्यान में रखकर यात्रा करें।

पुणे में 14 मंजिला आवासीय इमारत में आग लगने से 15 वर्षीय किशोर की मौत, पांच घायल

पुणे में शुक्रवार को 14 मंजिला आवासीय इमारत में आग लगने से 15 वर्षीय एक किशोर की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। एक अग्निशमन अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि अपराह्न के समय उंद्री में जगदंबा भवन रोड पर स्थित मार्वल आइडियल सोसाइटी की 12वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में आग लग गई। उन्होंने बताया कि अग्निशमन अभियान के दौरान गैस सिलेंडर फट गया, जिससे दो अग्निशमन कर्मी घायल हो गए।

अधिकारी ने बताया, पांच दमकल गाड़ियां और एक यांत्रिक सीढ़ी वाला वाहन घटनास्थल पर भेजा गया। जब दमकलकर्मी पानी पाइप लेकर ऊपरी मंजिलों पर पहुंचे और आग बुझानी शुरू की तो एक सिलेंडर में विस्फोट हो गया, जिससे दो दमकलकर्मी और तीन निवासी घायल हो गए। इस घटना में 15 वर्षीय लड़के की मौत हो गई।

28 अपराधों में फरार आरोपी हुआ गिरफ्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

एक फरार अपराधी जिसके खिलाफ मुंबई समेत महाराष्ट्र और गोवा के विभिन्न पुलिस थानों में कुल 28 मामले दर्ज थे और जो अदालत में पेश नहीं होता था, उसे आखिरकार मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का नाम शब्बीर शेरअली मर्चेंट उर्फ शब्बीर शेर अली विरजी है और यह कार्रवाई अपराध शाखा सेल-1 ने की है। आरोपी शब्बीर शेर अली मर्चेंट उर्फ ??शब्बीर शेर अली विरजी उर्फ सनी के खिलाफ मुंबई, पालघर और गोवा के विभिन्न पुलिस थानों में चोरी, सेंधमारी, डकैती और धोखाधड़ी समेत जुआ अधिनियम के तहत कुल 28 मामले दर्ज हैं।

आरोपी अपनी पिछली गिरफ्तारी के बाद सुनवाई के लिए अदालत में पेश नहीं हुआ था, इसलिए अदालत ने उसके खिलाफ विभिन्न अदालती मामलों में गैर-जमानती वारंट और स्थायी वारंट जारी किए थे। पुलिस ने तकनीकी जांच के जरिए आरोपी की तलाश की और उसे वसई से गिरफ्तार कर लिया उसे हिरासत में ले लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस बीच, आरोपी शब्बीर के खिलाफ कुल 28 मामले दर्ज हैं, जिनमें माता रमाबाई अंबेडकर मार्ग पुलिस स्टेशन में 9 मामले, कफ परेड पुलिस स्टेशन में 11 मामले, मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में 5 मामले, चेंबूर पुलिस स्टेशन में 1 मामला, मानिकपुर पुलिस स्टेशन (पालघर जिला) में 1 मामला और परवरिम पुलिस स्टेशन (गोवा) में 1 मामला शामिल है।

राष्ट्रीय पहल 'स्वच्छता ही सेवा' के अंतर्गत, दिव्यांग बच्चों ने पर्यावरण-अनुकूल ताली बजाकर गरबा किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई नगर निगम के ईटीसी दिव्यांग शिक्षा, प्रशिक्षण एवं सेवा सुविधा केंद्र में राष्ट्रीय पहल 'स्वच्छता ही सेवा' के अंतर्गत स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इसके साथ ही, नवरात्रि उत्सव के अवसर पर ईटीसी केंद्र में दिव्यांग बच्चों के लिए एक विशेष कार्यक्रम 'ताली बजाओ गरबा' का भी आयोजन किया गया।

इस अवसर पर, अतिरिक्त आयुक्त सुनील पवार उपस्थित थे और उन्होंने गरबा खेलने वाले प्रतिभागी बच्चों की सराहना की और दिव्यांग बच्चों के लिए एक अभिनव और मनोरंजक पहल को लागू करने के लिए ईटीसी केंद्र निदेशक और शिक्षकों की भी सराहना की।

ईटीसी केंद्र निदेशक डॉ. अनुराधा बाबर ने कहा कि 'ताली बजाओ गरबा' में, बिना डांडिया के ताली बजाकर और गरबा खेलकर अप्रत्यक्ष रूप से पेड़ों की रक्षा का संदेश दिया गया। इस अवसर पर इंजीनियर वैभव देशमुख भी उपस्थित थे। नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में 'स्वच्छता ही सेवा' पहल के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई।

इस कार्यक्रम में ईटीसी केंद्र के सभी दिव्यांग बालक-बालिकाओं ने रंग-बिरंगे पारंपरिक गरबा परिधान पहनकर कार्यक्रम का आनंद लिया। ईटीसी केंद्र के शिक्षा प्रबंधक एवं अधीक्षक द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया।

महिला यात्रियों के लाखों के आभूषण लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश

7 लाख रुपये के आभूषण जब्त, आरोपियों के खिलाफ 29 मामले दर्ज

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। रेलवे पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है जो मुंबई से बाहर जाने वाली और मुंबई आने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में महिला यात्रियों के आभूषण लूटते थे। इनमें से मोहम्मद सैफ अजगर अली चौधरी उर्फ मोहम्मद शकील अजगर अली और राजेंद्र सुखदेव सरगर को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से 7 लाख 18 हजार रुपये आभूषण जब्त किए गए हैं और उनके अन्य साथियों की तलाश जारी है। इस बीच, इन आरोपियों के खिलाफ विभिन्न पुलिस स्टेशनों में 29 मामले दर्ज किए गए हैं। यह ऑपरेशन रेलवे पुलिस के विशेष कार्रवाई बल (अपराध शाखा) द्वारा किया गया है।

सराई के रिकॉर्ड पर आरोपी मेल एक्सप्रेस ट्रेनों में यात्रा करने वाली महिला यात्रियों के गले से सोने की चेन और मंगलसूत्र चुरा रहे थे। उसी दिन, लगभग 8:15 बजे, पनवेल रेलवे स्टेशन पहुंचने से पहले, ट्रेन रेलवे सिग्नल के पास धीमी हो गई, और उनके रिश्तेदार दर्शना दत्ताराम खेडेकर और उनकी भाभी अपर्णा अर्जुन तटकरे पनवेल रेलवे स्टेशन पर उतरने के लिए दरवाजे पर खड़े थे। उस समय, आरोपियों में से एक उनके सामने ट्रेन के बाथरूम में गया। उसके बाद, वह तुरंत बाहर आया और शिकायतकर्ता के गले से 25 ग्राम सोने की चेन और 10 ग्राम सोने का मंगलसूत्र खींच लिया और भाग गया। वह विपरीत दरवाजे से ट्रेन से बाहर कूद गया और रेलवे ट्रैक भाग गया।

शिकायतकर्ता ने इस संबंध में पनवेल रेलवे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया।पुलिस ने आरोपी के तौर-तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया और रिकॉर्ड पर आरोपी के बारे में जानकारी ली उसके बाद पुलिस ने उसे 20 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया। गहन जांच में पता चला कि उसने चोरी की संपत्ति उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक सोना शुद्ध करने वाले व्यापारी को दी थी। पुलिस ने अब उस व्यापारी को गिरफ्तार कर लिया है।

इस बीच, इस आरोपी से मिली जानकारी के बाद, पुलिस ने अब उसके एक और साथी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से 7 लाख 18 हजार रुपये के गहने जब्त किए गए हैं। इनमें से मोहम्मद सैफ अजगर अली चौधरी उर्फ ??मोहम्मद शकील अजगर अली मिजापुर गली, विजय नगर चरण सिंह कॉलोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश के साथ-साथ शालीमार गेस्ट हाउस, भिवंडी बस डिपो के पास और धारावी पुलिस स्टेशन के पीछे रहता है। जबकि उसका गिरफ्तार साथी राजेंद्र सुखदेव सरगर भी सरलपुर, नोएडा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में रहता है।

अपराध का तरीका - पुलिस ने बताया कि इस मामले में आरोपियों की कार्यप्रणाली लंबी दूरी की मेल एक्सप्रेस ट्रेनों (विशेषकर कोंकण रेलवे) में यात्रा के दौरान धीमी होने के बाद चढ़ना, पहले कोच में महिला यात्रियों से ठगी करना, उनके गले में सोने का मंगलसूत्र या चेन जबरन गहने चुराना और चलती ट्रेन से पटरियों पर कूदकर भाग जाना है।

इनमें से, मोहम्मद सैफ अजगर अली चौधरी उर्फ मोहम्मद शकील अजगर अली के खिलाफ 29 बड़ी चोरी के मामले दर्ज हैं, जिनमें कर्जत रेलवे पुलिस स्टेशन में 3, डोंबिवली रेलवे पुलिस स्टेशन में 1, कुर्ला रेलवे पुलिस स्टेशन में 5, सीएसएमटी रेलवे पुलिस स्टेशन में 4, ठाणे रेलवे पुलिस स्टेशन में 10, पनवेल रेलवे पुलिस स्टेशन में 5, कोझीकोड रेलवे पुलिस स्टेशन (केरल राज्य) में 1 मामला शामिल है।

रविवार को मध्य रेल, मुंबई मंडल पर मेगा ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल, मुंबई मंडल, रविवार, दिनांक 28.09.2025 को विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए विद्याविहार और ठाणे स्टेशनों के बीच मेन लाइन की 5वीं और 6वीं लाइनों तथा ठाणे और वाशी/नेरुल स्टेशनों के बीच अप और डाउन ट्रांस-हार्बर लाइन पर मेगा ब्लॉक परिचालित करेगा। विवरण इस प्रकार हैं: मेन लाइन ब्लॉक सेक्शन - विद्याविहार और ठाणे स्टेशनों के बीच पाँचवीं और छठी लाइन पर सुबह 8:00 बजे से दोपहर 13:30 बजे तक

ब्लॉक के कारण ट्रेनों के संचालन पर प्रभावः

डाउन मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का डायवर्जनः निम्नलिखित डाउन मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें विद्याविहार स्टेशन पर डाउन फास्ट लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी तथा ठाणे स्टेशन पर पुनः 5वीं लाइन पर डायवर्ट होकर लगभग 10 से 15 मिनट की देरी से चलेंगीः

ट्रेन क्र. 11055 एलटीटी - गोरखपुर एक्सप्रेस

ट्रेन क्र. 11061 एलटीटी - जयनगर पवन एक्सप्रेस

ट्रेन क्र. 16345 एलटीटी - तिरुवनंतपुरम नेत्रावती एक्सप्रेस

ट्रेन क्र. 17222 एलटीटी - काकीनाडा एक्सप्रेस

अप मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का डायवर्जन (सीएसएमटी की ओर जाने वाली): निम्नलिखित अप मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें ठाणे स्टेशन पर अप फास्ट लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी और गंतव्य पर 10 से 15 मिनट की देरी से पहुंचेंगीः

ट्रेन क्र. 11010 पुणे - सीएसएमटी सिंहगढ़ एक्सप्रेस। ट्रेन क्र. 12124 पुणे - सीएसएमटी डेक्कन क्वीन। ट्रेन क्र. 12126 पुणे - सीएसएमटी प्रगति एक्सप्रेस। ट्रेन क्र. 12140 नागपुर - सीएसएमटी सेवाग्राम एक्सप्रेस। ट्रेन क्र. 22226 सोलापुर - सीएसएमटी वंदे भारत एक्सप्रेस । ट्रेन क्र. 12321 हावड़ा - सीएसएमटी मेल । ट्रेन क्र. 11012 धुले - सीएसएमटी एक्सप्रेस । अप मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का डायवर्जन (एलटीटी की ओर जाने वाली) । निम्नलिखित अप मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें ठाणे स्टेशन पर अप फास्ट लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी और विद्याविहार स्टेशन पर पुनः 6वीं लाइन पर डायवर्ट होकर 10 से 15 मिनट की देरी से गंतव्य पर पहुंचेंगीः

ट्रेन क्र. 13201 राजगीर - एलटीटी एक्सप्रेस। ट्रेन क्र. 17221 काकीनाडा - एलटीटी एक्सप्रेस । ट्रेन क्र. 12168 बनारस - एलटीटी ।पुरफास्ट एक्सप्रेस ।ट्रेन क्र. 12812 हटिया - एलटीटी एक्सप्रेस ठाणे और वाशी/नेरुल स्टेशनों के बीच अप और डाउन ट्रांस-हार्बर लाइन सुबह 11.10 बजे से शाम 16.10 बजे तक

ब्लॉक अवधि के दौरान वाशी/नेरुल और ठाणे स्टेशनों के बीच अप और डाउन ट्रांस-हार्बर लाइन सेवाएं रद्द रहेंगी। ठाणे से सुबह 10.35 बजे से 16.07 बजे तक वाशी/नेरुल/पनवेल के लिए छूटने वाली डाउन लाइन सेवाएं और पनवेल/नेरुल/वाशी से सुबह 10.25 बजे से 16.09 बजे तक ठाणे के लिए प्रस्थान करने वाली अप लाइन सेवाएं रद्द रहेंगी।

यह रखरखाव मेगा ब्लॉक आवश्यक आधारभूत संरचना की मरम्मत और संरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। यात्रियों से अनुरोध है कि इससे होने वाली असुविधा के लिए रेलवे प्रशासन को सहयोग करें ।

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्या
सोला-एन-टी-2025-26-17
दिनांक :- 24.09.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से डीआरएम (एस एंड टी) कार्यालय, मध्य रेलवे, सोलापुर निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों / ठेकेदारों से रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित करता है : **कार्य का नाम** : सोलापुर डिवीजन के कुर्दुवाडी-भिगवन सेक्शन के एस एंड टी गियर्स की निगरानी के लिए रिमोट डायग्नोस्टिक और पूर्वानुमानित रखरखाव (आरडीपीएम) प्रणाली का प्रावधान करना। **निविदा संख्या** : सोला-एन-टी-2025-26-17, **कार्य की अनुमानित लागत** : रू. 5,57,69,830.62/-, **टेंडर फॉर्म की कीमत** : शुन्य, **जमा की जाने वाली धरोहर राशि** : रू. 4,28,900.00/-, **कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 12 महीने। **निविदा के समापन की तिथि और समय** : 16/10/2025. विवरण IREPS वेबसाइट में उपलब्ध हैं। शुद्धिपत्र/संशोधन यदि कोई हो तो केवल उपरोक्त ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। केवल ऑनलाइन निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी। मैनुअल/डाक/ई-मेल, फैक्स, हस्त निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे कंपनी के नाम के साथ तृतीय श्रेणी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र प्राप्त करें और इसे www.ireps.gov.in पर पंजीकृत करें। बयाना राशि (ईएमडी) का भुगतान नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से या बैंक गारंटी के रूप में स्वीकार किया जाएगा और मूल बैंक गारंटी निविदा दस्तावेज़ में निर्दिष्ट नामित अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि से पहले (अर्थात बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि को छोड़कर) जमा करनी होगी। अधिक जानकारी के लिए कृपया www.ireps.gov.in देखें।

मंडल रेल प्रबंधक
सिगनल एवं दूरसंचार विभाग

SUN 82

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करें

आई.ए.एस. आई.पी.एस.आई.आर.एस. जैसी उच्चस्तरीय परीक्षाओं की तैयारी हेतु

मुलुंड में विवेक प्रेरणा अध्ययनिका' का भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और सेवानिवृत्त आई.ए.एस. अविनाश धर्माधिकारी के शुभहस्तों से शुभारंभ

मनोज कोटक के प्रयासों से मध्यमवर्गीय परिवारों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को निःशुल्क मिलेगा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व मार्गदर्शन

मुंबई : युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और उनके करियर निर्माण के उद्देश्य से पूर्व सांसद मनोज कोटक के मार्गदर्शन में संचालित संस्था 'युवक प्रेरणा फाउंडेशन' तथा प्रख्यात करियर काउंसलर व्रज पटेल के मार्गदर्शन में कार्यरत 'महर्षि दयानंद फाउंडेशन आई.ए.एस. अकादमी' के संयुक्त उपक्रम से स्थापित 'विवेक प्रेरणा अभ्यासिका' का भव्य शुभारंभ शुक्रवार, दिनांक 26 सितंबर 2025 को बी.एम.सी. मार्केट बिल्डिंग, त्रिदेव टॉवर के समीप, भक्ति मार्ग, मुलुंड (पश्चिम), मुंबई में संपन्न हुआ।

इस अध्ययनिका का उद्घाटन महाराष्ट्र भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र चव्हाण तथा चाणक्य मंडल परिवार के संस्थापक, सेवानिवृत्त आई.ए.एस. अधिकारी अविनाश धर्माधिकारी के शुभहस्तों से

किया गया। इस अवसर पर विधायक मिहिर कोटेचा, टी-वार्ड की सहायक आयुक्त श्रीमती योगिता कोल्हे, समाज के विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार एवं अन्य गणमान्य अतिथि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विवेक प्रेरणा अध्ययनिका की विशेषताएँ

इस वाचनालय में विद्यार्थियों के लिए वर्तमान में दस हज़ार से अधिक पुस्तकों का समृद्ध संग्रह उपलब्ध है। साथ ही विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क आई.क्यू. व अभिक्षमता परीक्षण, करियर काउंसलिंग, तथा देश-विदेश की विभिन्न स्पर्धात्मक परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन और कोचिंग सुविधाएँ भी प्रदान की गई हैं। यहाँ विशेष रूप से ळझ्एण (आई.ए.एस., आई.पी.एस., आई.एफ.एस., आई.आर.एस.), श्झ्एण (डिप्टी कलेक्टर, डिप्टी एस.पी., तहसीलदार), बैंकिंग (आई.बी.पी.एस., आर.बी.आई., एस.बी.आई., सेबी), रेलवे व डिफेंस (एन.डी.ए., सी.डी.एस., टी.ए.), साथ ही नीट, आई.आई.टी.-जे.ई.ई., सी.ए., सी.एस., एम.बी.ए., एल.एल.बी., जीमैट आदि परीक्षाओं हेतु आवश्यक पुस्तकें और कोचिंग सुविधाएँ विद्यार्थियों को पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध होंगी।

अध्ययनिका का उद्देश्य

इस संस्था का मुख्य उद्देश्य यह है कि मध्यमवर्गीय परिवारों के होनहार विद्यार्थियों को महंगी फीस भरने की बाध्यता न रहे और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उचित मार्गदर्शन तथा आवश्यक अध्ययन सामग्री निःशुल्क उपलब्ध हो। इस संदर्भ में पूर्व सांसद मनोज कोटक ने कहा कि 'आज के समय में शिक्षा के व्यापारीकरण के कारण अनेक विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के सपने अधूरे छोड़ने पड़ते हैं। ऐसी परिस्थिति में यह अध्ययनिका विद्यार्थियों को निःशुल्क करियर मार्गदर्शन, आई.क्यू. परीक्षण तथा शैक्षणिक सुविधाएँ उपलब्ध कराकर उनके करियर निर्माण के लिए एक सशक्त साधन सिद्ध होगी।'

पीएम मोदी से मिले फडणवीसः बाढ़ राहत से लेकर डिफेंस कॉरिडोर तक, महाराष्ट्र के भविष्य पर लंबी चर्चा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें राज्य में भारी बारिश, बाढ़ की स्थिति और इससे किसानों को हुए नुकसान से अवगत कराया। उन्होंने पर्याप्त केंद्रीय सहायता की मांग करते हुए एक ज्ञापन भी सौंपा। प्रधानमंत्री मोदी ने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार महाराष्ट्र के किसानों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। इसके अलावा, मुख्यमंत्री फडणवीस ने महाराष्ट्र में रक्षा गलियारा परियोजनाओं, गढ़चिरौली में इस्पात उत्पादन के लिए रियायतों, दहिसर में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की भूमि के हस्तांतरण और राज्य द्वारा व्यापार सुगमता को मजबूत करने के लिए उठाए जा रहे कदमों सहित कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

सीएम फडणवीस ने पीएम मोदी से गढ़चिरौली स्टील सिटी परियोजना के लिए महाराष्ट्र राज्य खनन निगम को क्षेत्र-सीमा रियायतें देने का अनुरोध किया, जिसने पहले ही 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित किया है। गढ़चिरौली में हरित इस्पात उत्पादन की अपार क्षमता है, जो चीन की तुलना में कम लागत पर उपलब्ध

होगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि नक्सल प्रभाव से मुक्त होने के बाद, जिले में बड़े पैमाने पर विकास और नए अवसर देखने को मिलेंगे।

महाराष्ट्र रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसमें 10 आयुध कारखाने हैं और भारत के कुल हथियारों और गोला-बारूद का लगभग 30 प्रतिशत उत्पादन होता है। इस पर प्रकाश डालते हुए, सीएम फडणवीस ने राज्य में तीन रक्षा गलियारों के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत कियाः पुणे-अहिल्यानगर-छत्रपति संभाजीनगर गलियारा, अमरावती-वर्धा-नागपुर-सावनेर गलियारा राज्य ने पहले ही 60,000 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर कर दिए हैं, और मुख्यमंत्री फडणवीस ने प्रधानमंत्री से गलियारों को मंजूरी देने का आग्रह किया है।

दहिसर पूर्व में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के स्वामित्व वाली 58 एकड़ ज़मीन पहले मेट्रो कार शेड के लिए एमएमआरडीए को आवंटित की गई थी। डिज़ाइन में बदलाव के कारण, एमएमआरडीए ने अपना इरादा वापस ले लिया और अब बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने ज़मीन मांगी है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने प्रधानमंत्री मोदी से सार्वजनिक उपयोग और विकास कार्यों के लिए ज़मीन बीएमसी को हस्तांतरित करने का अनुरोध किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि इस कदम से इलाके में ऊँचाई प्रतिबंध की समस्या का भी समाधान होगा। प्रधानमंत्री मोदी 8-9 अक्टूबर को फिनटेक सम्मेलन के लिए मुंबई जाएँगे और नवी मुंबई हवाई अड्डे और मेट्रो-3 परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि नवी मुंबई हवाई अड्डे का आधिकारिक नाम डीबी पाटिल के नाम पर रखने का प्रस्ताव भेजा गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने आज उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से भी मुलाकात की।

जन स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर के निर्देश

सरकारी अस्पतालों में उत्तम भोजन आपूर्ति और साफ़-सफ़ाई का ध्यान रखें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में मरीजों को अच्छी गुणवत्ता वाला पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। साथ ही, मरीजों की देखभाल और साफ़-सफ़ाई में किसी भी तरह की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी, जन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश अबितकर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने मुंबई स्थित स्वास्थ्य सेवा आयुक्तालय में जन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत आने वाले स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छता सेवाओं, कपड़े धोने की सेवाओं, भोजन सेवाओं, दवा आपूर्ति और मानव संसाधन सेवाओं की समीक्षा की।

स्वास्थ्य मंत्री अबितकर ने कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीजों को पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए। अस्पताल और उसके परिसर को अंदर और बाहर दोनों जगह साफ़-सुथरा रखा जाए। दवाओं का पर्याप्त भंडार उपलब्ध होना भी ज़रूरी है। इन सभी मामलों की कड़ी निगरानी की जाएगी। निदेशक, संयुक्त निदेशक और उप निदेशक अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण करें और वस्तुनिष्ठ रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

अस्पताल आने वाले मरीजों को एक सुखद और संतोषजनक वातावरण मिलना चाहिए। अस्पतालों में अस्वच्छता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, स्वच्छता सेवाओं के लिए नियुक्त ठेकेदार कर्मचारियों को अनुबंध के अनुसार भुगतान कर रहे हैं या नहीं, इसकी भी कड़ी जाँच की जानी चाहिए, ऐसा स्वास्थ्य मंत्री अबितकर ने कहा। ुख्यमंत्री द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर 'महात्मा फुले जन आरोग्य योजना' लागू करने की अनुमति का स्वागत करते हुए, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि नागरिकों को इस योजना के तहत इलाज के लिए निजी अस्पतालों की बजाय सरकारी अस्पतालों को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिसके लिए सरकारी अस्पतालों में आवश्यक सुविधाएँ, वातावरण और उपचार की गुणवत्ता उपलब्ध होनी चाहिए। इससे सरकारी योजनाओं का धन सरकारी अस्पतालों में जाएगा और उनकी आय में वृद्धि होगी। सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण दवाओं का भंडार रखा जाना चाहिए, ताकि दवा खरीद प्रक्रिया में किसी भी तरह की गड़बड़ी होने पर किसी को भी छोड़ा न जाए। दवाओं की गुणवत्ता की जाँच के लिए जल्द ही एक अलग तंत्र लागू किया जाएगा, ऐसा स्वास्थ्य मंत्री अबितकर ने कहा।

बैठक में स्वास्थ्य सेवा आयुक्त डॉ. कादंबरी बलकावड़े और स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. नितिन अंबाडेकर उपस्थित थे। जिला स्वास्थ्य अधिकारी, जिला शल्य चिकित्सक, उप निदेशक और राज्य के वरिष्ठ अधिकारी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

संक्रामक रोगों के नियंत्रण हेतु विशेष कार्यबल

गोदरेज कंज्यूमर कंपनी ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी

गढ़चिरौली जिले में एम्बेड परियोजना को मिली महत्वपूर्ण सफलता

मुंबई।मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यरत संस्थाओं से महाराष्ट्र से संक्रामक रोगों का पूर्ण उन्मूलन करने की अपील की थी। गोदरेज कंज्यूमर कंपनी द्वारा इस अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद, मुख्यमंत्री फडणवीस के निर्देशानुसार भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, लोक स्वास्थ्य विभाग और गोदरेज कंज्यूमर्स द्वारा संक्रामक रोगों के नियंत्रण हेतु एक विशेष कार्यबल का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विश्वास व्यक्त किया है कि इस पहल से पूरे राज्य में संक्रामक रोगों के नियंत्रण हेतु एक सुसंगत, वैज्ञानिक और व्यापक योजना तैयार होगी।

लोक स्वास्थ्य विभाग और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की एम्बेड परियोजना के अंतर्गत महाराष्ट्र में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के नियंत्रण हेतु महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इस पहल को राज्य के छह जिलों, विशेषकर गढ़चिरौली में उल्लेखनीय सफलता मिली है।

संक्रामक रोगों की रोकथाम हेतु प्रबंधन

लोक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स एम्बेडेड परियोजना के अंतर्गत इन संक्रामक रोगों की रोकथाम हेतु प्रबंधन किया जा रहा है। मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का उचित निदान सुनिश्चित करने के लिए 400 से अधिक चिकित्सा अधिकारियों, सामान्य चिकित्सकों और बाल रोग विशेषज्ञों को आधुनिक उपचार विधियों का प्रशिक्षण दिया गया है। इसके अतिरिक्त, रोग निदान और रोकथाम को और सुदृढ़ बनाने के लिए 180 प्रयोगशाला निरीक्षण अधिकारियों और 165 कीटविज्ञानियों को प्रशिक्षित किया गया है। साथ ही, गढ़चिरौली, नासिक, सतारा, पालघर जैसे जिलों में तत्काल निरीक्षण अभियान चलाए गए। शहरी क्षेत्रों और आदिवासी क्षेत्रों, जहाँ महामारी फैली हुई है, पर विशेष ध्यान दिया गया।

सामुदायिक स्तर पर जागरूकता अभियान, गृह भ्रमण

नागरिकों को संचारी रोगों के प्रति जागरूक करने के लिए, लोक स्वास्थ्य विभाग और गोदरेज कंज्यूमर कंपनी ने सामुदायिक स्तर पर जागरूकता अभियान, गृह भ्रमण और स्वास्थ्य एवं पोषण दिवसों के माध्यम से नागरिकों को शामिल करने जैसी विभिन्न योजनाएँ लागू कीं। इस पहल के तहत 1 लाख से ज़्यादा घरों का दौरा किया गया। गढ़चिरौली जैसे दूरस्थ ज़िले में 52 हज़ार से ज़्यादा लोगों को इसका सीधा लाभ मिला है।

जन स्वास्थ्य विभाग और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की इस एकीकृत परियोजना से राज्य में 2024 तक डेंगू से होने वाली मौतों की संख्या में 27 प्रतिशत की कमी आई है और जाँचों की संख्या में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

पशुपालन मंत्री पंकजा मुंडे ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुधन की क्षति और सुरक्षा की समीक्षा की

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चलित पशु चिकित्सा दल सक्रिय रखकर तत्काल सेवाएँ प्रदान करें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। पशुपालन मंत्री पंकजा मुंडे ने आज राज्य में भारी बारिश और बाढ़ के कारण पशुधन को हुए नुकसान और उसके अनुसार की गई कार्रवाई की समीक्षा की। पशुपालन मंत्री पंकजा मुंडे ने निर्देश दिया कि पशुपालन विभाग राजस्व विभाग के साथ समन्वय स्थापित करे ताकि भारी बारिश और बाढ़ के कारण मरने वाले पशुओं के मालिकों को उचित सरकारी सहायता मिल सके। उन्होंने भारी बारिश और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं के लिए चलित पशु चिकित्सा दल सक्रिय करने और तत्काल सेवाएँ प्रदान करने के भी निर्देश दिए।

भारी बारिश और बाढ़ के कारण किसान दहशत में हैं। घरों के साथ-साथ पशुधन को भी भारी नुकसान हुआ है। इस पृष्ठभूमि में, पशुपालन मंत्री पंकजा मुंडे ने मंत्रालय में एक बैठक की और पशुपालन विभाग को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। इस अवसर पर पशुपालन विभाग के प्रधान सचिव रामास्वामी एन., पशुपालन आयुक्त डॉ. प्रवीण कुमार देवरे उपस्थित थे। साथ ही, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के क्षेत्रीय संयुक्त आयुक्त और उपायुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

इस समीक्षा बैठक में, मंत्री पंकजा मुंडे ने संबंधित एजेंसियों को प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं की सुरक्षा, मृत पशुओं के पंजीकरण और आवश्यक सहायता प्रदान करने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा कि राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ के कारण किसानों के पशुओं को काफी नुकसान हुआ है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जिला कलेक्टर और तहसील कार्यालय के साथ समन्वय करके मृत पशुओं की सही संख्या निर्धारित की जानी चाहिए। मृत/लापता पशुओं का सत्यापन किया जाना चाहिए। तहसील कार्यालय और पशुपालन विभाग के आंकड़ों में कोई विसंगति न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए सख्त सत्यापन पर जोर दिया जाना चाहिए। मृत पशुओं का वैज्ञानिक तरीके से निपटान किया जा रहा है या नहीं, इसकी जाँच की जानी चाहिए। इसके लिए संबंधित जिले के जिला कलेक्टर कार्यालय से आवश्यक मशीनरी और मानव संसाधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए। मंत्री पंकजा मुंडे ने सभी जिला कलेक्टरों को पशुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस संबंध में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में महामारी फैलने से रोकने के लिए कीटाणुशोधन आवश्यक है। इसके लिए उस क्षेत्र में कीटाणुनाशक (चूना पाउडर/फिनोल/पोटेशियम परमैंगनेट आदि) का छिड़काव करने के लिए ग्राम पंचायत की मदद ली जानी चाहिए। निवारक टीकाकरण प्राथमिकता पर किया जाना चाहिए। पशुपालन विभाग के पशु चिकित्सालय में आवश्यक दवा/टीका उपलब्ध रखा जाना चाहिए। साथ ही, यदि आवश्यक हो, तो नजदीकी जिले से दवा और टीका उपलब्ध कराया जाना चाहिए। बाढ़ में फंसे पशुओं को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया जाना चाहिए। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं के लिए चारा उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

पशुपालन विभाग को सभी आवश्यक सहायता जैसे वाहन उपलब्धता, अतिरिक्त मानव संसाधन, चारे की उपलब्धता, पशुओं के लिए अस्थायी आश्रय स्थल तैयार करने आदि के लिए तत्काल धनराशि उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने पशुपालन विभाग को आपातकालीन निधि से तत्काल धनराशि उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि अतिरिक्त मानव संसाधन की आवश्यकता हो, तो संबंधित क्षेत्रीय पशुपालन संयुक्त आयुक्त को निकटतम जिले से मानव संसाधन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सौंपी जाए।

स्कूली शिक्षा में कृषि पाठ्यक्रम का क्रियान्वयन - स्कूली शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और राज्य पाठ्यचर्या योजना 2024 में 'व्यावसायिक शिक्षा का नवाचार' प्रस्तुत किया गया है। वर्ष 2025-26 में व्यावसायिक शिक्षा विषय के अंतर्गत कक्षा 1 के पाठ्यक्रम में कृषि शिक्षा को शामिल किया गया है। अगले शैक्षणिक वर्ष से, चरणबद्ध तरीके से कक्षा 10 तक के पाठ्यक्रम में कृषि विषय को शामिल किया जाएगा। स्कूली शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर ने विभाग को इसे लागू करने के निर्देश दिए हैं।

स्कूली पाठ्यक्रम में कृषि पाठ्यक्रम को शामिल करने के संबंध में स्कूली शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर की अध्यक्षता में मंत्रालय में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के उप सचिव तुषार महाजन, माध्यमिक शिक्षा निदेशक महेश पालकर, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के संयुक्त निदेशक हारून अत्तार, वरिष्ठ प्रोफेसर आर. एन. वाकड़े ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

राज्य मंत्री डॉ. भोयर ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप राज्य पाठ्यचर्या रूपरेखा 2024 तैयार की गई है। तदनुसार, स्कूल शिक्षा पाठ्यक्रम 2025 पर कार्य अंतिम चरण में है। इस नए पाठ्यक्रम में, तीन से आठ वर्ष की आयु के विद्यार्थियों को बुनियादी शिक्षा पाठ्यक्रम, 2024 में बाल श्रम शिक्षा विषय के अंतर्गत कौशल, साथ ही 21वीं सदी के महत्वपूर्ण कौशल प्रदान किए जाएँगे, साथ ही इस बुनियादी स्तर से कृषि और पर्यटन व्यावसायिकता की नींव रखी जाएगी। ऐसी पहल की योजना बनाई जानी चाहिए।

विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति का संचार करने के लिए, कार्य शिक्षा विषय की गतिविधियों की योजना बनाते समय स्थानीय त्योहारों, समारोहों, परंपराओं, कला, फसलों, भौगोलिक संरचना, उपलब्ध संसाधनों पर भी विचार किया जाना चाहिए। इन सभी पहलुओं, भारत में कृषि के महत्व, कृषि क्षेत्र में निवेश और लोगों के जीवन में कृषि के विशेष स्थान को ध्यान में रखते हुए, नई पीढ़ी को कृषि क्षेत्र से जोड़ने और कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का विस्तार करने के लिए मिट्टी, पानी, प्राकृतिक संसाधनों, पौधों, स्थानीय पशु-पक्षियों के क्षेत्र में नई गतिविधियों का सुझाव दिया जाना चाहिए, ऐसे सुझाव राज्य मंत्री डॉ. भोयर ने दिए।

कक्षा 6 से 10 तक के विद्यार्थियों को घरेलू बागवानी, जैविक खेती, अनाज उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बांस का उपयोग, पालतू पशुओं का पोषण, मुर्गी पालन, पर्यटन एवं आतिथ्य, जल प्रबंधन के लिए जल लेखा परीक्षा, जैव विविधता पंजीकरण, ईंधन मुक्त खाना पकाना आदि विषयों की शिक्षा दी जानी चाहिए। इस अवसर पर राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर ने कहा कि विद्यार्थियों को कृषि जैसे पारंपरिक विषयों में नई तकनीकों से परिचित कराया जाना चाहिए और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरणों का उपयोग कैसे किया जाए, इसे पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए।

दिवाली के अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को देवर-भाभी उपहार - महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को दो-दो हज़ार रुपये उपहार स्वरूप दिए जाएँगे।

एकीकृत बाल विकास सेवा योजना के अंतर्गत कार्यरत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को देवर-भाभी उपहार स्वरूप दिए जाएँगे। मंत्री अदिति तटकरे ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इसके लिए कुल 40.61 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएँ महिलाओं और बच्चों की देखभाल,

पोषण और समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान कर रही हैं। देवर-भाभी उपहार स्वरूप यह राशि उनके कार्यों के सम्मान में स्वीकृत की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका हमारे समाज की असली 'शक्ति' हैं और उनके त्योहार को खुशहाल बनाना हमारी भूमिका है।

जल्द ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को देवर-भाभी उपहार राशि वितरित की जाएगी। मंत्री अदिति तटकरे ने भी विश्वास व्यक्त किया कि इस निर्णय से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायकों की दिवाली की खुशियां बढ़ जाएंगी।

पुणे, सतारा, कोल्हापुर घाट क्षेत्र सहित नौ जिलों में ऑरेंज अलर्टः राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की सूचना

मुंबई। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने सूचित किया है कि भारत मौसम विज्ञान विभाग के माध्यम से नौ जिलों नांदेड़, लातूर, धाराशिव, सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी, रायगढ़, ठाणे, मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, पुणे घाट, सतारा घाट और कोल्हापुर घाट क्षेत्रों में 27 सितंबर 2025 के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग और राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र जैसी केंद्रीय एजेंसियों के साथ निरंतर संपर्क में रहते हुए, आगामी मौसम पूर्वानुमान की जानकारी सभी जिलों में प्रसारित की जा रही है।

सोलापुर जिले में, वडकबल में सिना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। जबकि टाकली में भीमा नदी चेतावनी के निशान से ऊपर बह रही है, एहतियात के तौर पर सोलापुर में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की दो टीमों को तैनात किया गया है। साथ ही, नागरिकों को सचेत के माध्यम से अग्रिम चेतावनी दी गई है।

गढ़चिरौली जिले के भामरागढ़ तालुका में भारी बारिश के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 130डी पर अलापल्ली और भामरागढ़ के बीच बना यातायात पुल पानी में डूब गया है। सुरक्षा कारणों से भामरागढ़ में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की एक टीम तैनात की गई है। हेमलकसा से लाहेरी मार्ग पर सभी प्रकार के यातायात को सड़क के दोनों ओर बैरिकेड्स लगाकर बंद कर दिया गया है। प्रशासन ने नागरिकों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने और आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है।

नांदेड़ जिले में गोदावरी नदी बेसिन में पानी का बहाव काफी बढ़ गया है। इस दौरान, नागरिकों को सचेत के माध्यम से पूर्व चेतावनी दी गई थी। चूँकि नांदेड़ शहर क्षेत्र में नांदेड़ जूना पुल पर गोदावरी नदी खतरे के निशान पर बह रही थी, इसलिए संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने बताया कि पिछले 24 घंटों में चंद्रपुर जिले में 31.7 मिमी, गढ़चिरौली में 29.2 मिमी, लातूर में 25.3 मिमी, नांदेड़ में 16.9 मिमी और गोंदिया जिले में 16 मिमी बारिश हुई।

संजय कपूर प्रॉपर्टी विवादः प्रिया कपूर को सीलबंद लिफाफे में संपत्ति का ब्योरा दाखिल करने की अनुमति

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को संजय कपूर की पत्नी प्रिया सचदेव को दिवंगत व्यवसायी की संपत्तियों की सूची सीलबंद लिफाफे में दाखिल करने की अनुमति दे दी। अदालत का यह निर्देश करिश्मा कपूर के बच्चों समायरा कपूर और कियान राज कपूर द्वारा अपने पिता की संपत्ति को लेकर दायर किए गए बंटवारे के मामले में आया है। प्रिया कपूर और करिश्मा कपूर दोनों के बच्चों के वकीलों ने अदालत को आश्वासन दिया कि वसीयत की सामग्री मीडिया में लीक नहीं की जाएगी।

अदालत ने प्रिया कपूर को निर्देश दिया है कि वह वसीयत की एक प्रति दिवंगत संजय कपूर की माँ रानी कपूर के साथ साझा करें। आदेश में यह भी कहा गया

है कि वसीयत की गोपनीयता और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने के लिए इसे दिल्ली उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल के पास सुरक्षित रखा जाए। प्रिया कपूर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव नायर ने न्यायालय से संवेदनशील दस्तावेजों के संचालन में गोपनीयता सुनिश्चित करने का आग्रह किया था और कहा था कि विभाजन का मामला होने के बावजूद इस मामले ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया है।

हालाँकि, करिश्मा कपूर के बच्चों की ओर से पेश महेश जेठमलानी ने इस दलील का विरोध किया और गोपनीयता की ज़रूरत पर सवाल उठाया। उन्होंने गोपनीयता को संपत्ति को बर्बाद करने का एक बहाना बताते हुए कहा कि मेरा मुवक्किल एक उत्तराधिकारी है। हमें पता होना चाहिए कि क्या छोड़ा गया है

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के पुनर्विकास कार्य के संबंध में प्लेटफार्म संख्या 18 पर बुधवार से यातायात एवं पावर ब्लॉक रहेगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के पुनर्विकास कार्य के संबंध में, मध्य रेल, सीएसएमटी के प्लेटफार्म संख्या 18 पर यातायात एवं पावर ब्लॉक परिचालित करेगा। ब्लॉक के दौरान प्लेटफार्म संख्या 18 पर फाउंडेशन कार्य और संरक्षा बैरिकेड्स लगाने का कार्य किया जाएगा। ब्लॉक की अवधि 80 दिनों की होगी, अर्थात दिनांक 01.10.2025 से दिनांक 19.12.2025 तक।

ब्लॉक अवधि के दौरान, प्लेटफार्म संख्या 18 से ट्रेनों का परिचालन दिनांक 01.10.2025 से कार्य पूरा होने और आरएलडीए द्वारा प्लेटफार्म को यातायात संचालन के लिए सौंपे जाने तक निलंबित रहेगा।

दिनांक 30.09.2025 को शुरू होने वाली निम्नलिखित अप मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की यात्रा दादर में अगली सूचना तक शॉर्ट टर्मिनेट कर दी जाएगीः

ट्रेन संख्या 12112 अमरावती-सीएसएमटी एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 11002 बल्लारशाह-सीएसएमटी नंदीग्राम एक्सप्रेस

ये ब्लॉक बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए आवश्यक हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे इससे होने वाली असुविधा के लिए रेलवे प्रशासन को सहयोग करें।

सम्पादकीय

शांति से हिंसा तक - क्या अनुच्छेद 370 के बाद किए वादे पर सरकार की चुप्पी ने भड़का दी आग? लद्दाख के आंदोलन में ऐसा क्या हुआ?

किसी भी विरोध प्रदर्शन में अगर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगें सामने रखी जाएं, तो उसके अंजाम तक पहुंचने और सर्वमान्य हल निकलने की उम्मीद की जा सकती है। विडंबना यह है कि कई बार मुद्दे सुलगते रहते हैं और सरकार को वक्त पर उसका समाधान निकालने की जरूरत महसूस नहीं होती। वहीं लंबे वक्त तक टालमटोल या कोताही आखिरकार असंतोष की स्थिति पैदा करती है। फिर जब प्रतिक्रिया का स्वरूप अनियंत्रित और अराजक होता है, तब कई बार उसे संभालना मुश्किल हो जाता है। लेह में बुधवार को हुई हिंसा इन्हीं स्थितियों का नतीजा लगती है।

गौरतलब है कि लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और संविधान के अनुच्छेद 244 के तहत छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर लेह में लोग आंदोलन पर उतरे हुए थे। पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी दो हफ्ते से भूख हड़ताल पर थे। मगर बुधवार को यह प्रदर्शन हिंसक हो उठा और लोगों ने भाजपा कार्यालय को भी आग के हवाले कर दिया। इसके बाद पुलिसकर्मियों के साथ हुई झड़पों के दौरान कई की जान चली गई और काफी लोग घायल हो गए।

सवाल है कि अपनी मांगों के साथ कई दिनों से शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे लोगों के सामने आखिर कैसी स्थिति पैदा हुई कि उन्होंने हिंसक रास्ता अख्तियार कर लिया। पिछले कई दिनों से वहां जैसे शांतिपूर्ण हालात थे, उसमें अराजकता को अचानक उपजी किसी स्थिति का नतीजा मानना थोड़ा मुश्किल लगता है। खासतौर पर जब पूर्ण राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करने का सवाल नया नहीं हो। इसके अलावा, लेह और करगिल के लिए अलग-अलग लोकसभा सीटें तय करने और रोजगार में आरक्षण की मांग भी अहम मुद्दे हैं।

दरअसल, अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद केंद्र सरकार की ओर यह आश्वासन दिया गया था कि लद्दाख को राज्य का दर्जा दिया जाएगा। इस बात को करीब पांच वर्ष हो गए, लेकिन अब भी इस पर स्थानीय समूहों- लद्दाख एपेक्स बाडी और करगिल लोकतांत्रिक गठबंधन के साथ सिर्फ बातचीत ही चल रही है। आखिर केंद्र सरकार की घोषणाओं के समांतर लद्दाख के लोगों की स्पष्ट मांगों के बावजूद सबसे संवेदनशील और जरूरी मुद्दों पर बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से हल निकालने को लेकर सहमति बनाने को प्राथमिकता क्यों नहीं दी गई?

सच यह है कि जब प्रमुख मांगों को पूरा करने या समस्या का सर्वमान्य हल निकालने को लेकर कोताही बरती जाती है और टालमटोल किया जाता है, तो उससे जुड़े अन्य मुद्दे भी अपना असर डालने लगते हैं। पिछले पांच वर्षों के दौरान वहां बेरोजगारी एक जटिल समस्या बन कर उभरी है। ऐसी शिकायतों ने वहां तूल पकड़ा है कि अलग-अलग बहाने बना कर स्थानीय लोगों को नौकरियों से बाहर रखा जा रहा है और लद्दाख को संरक्षण भी नहीं दिया जा रहा।

ऐसे में स्थानीय लोगों, खासकर रोजगार की उम्मीद में वक्त काटते युवाओं के बीच स्वाभाविक रूप से असंतोष ने जड़ें जमाना शुरू किया। इस तरह की संवेदनशील स्थितियों से अगर समय पर नहीं निपटा जाए, तो कुछ समय बाद उन्हें संभालना मुश्किल होता है। लेह में भड़की हिंसा की तुलना कुछ लोगों ने नेपाल के 'जेन-जी' से करने की कोशिश की है। बेहतर हो कि हमारे देश में अराजकता की स्थिति न उपजे। इसलिए जरूरत इस बात की है कि सरकार बिना देर किए आंदोलनकारियों की मुख्य मांगों और समस्या के मूल बिंदुओं पर विचार करके एक ठोस और सर्वमान्य हल तक पहुंचे, ताकि अवांछित तत्त्वों की किसी साजिश को पांव जमाने का मौका न मिले।

ट्रंप के दबाव के बीच भारत की 7.8इ जीडीपी वृद्धि - अमेरिका को करारा जवाब देते हुए दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनने की ओर कैसे बढ़ रहा देश?

कुछ समय पहले आंकड़े आए कि इस वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारत का आर्थिक वृद्धि मूल्य उम्मीद से अधिक 7.8 फीसद तक चला गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मनमाने तरीके से भारत पर पचास फीसद शुल्क लगाए जाने के क्रम में दिए गए उनके वक्तव्यों में से एक यह भी था कि भारत की अर्थव्यवस्था एक असफल अर्थव्यवस्था है। इसका भारत ने विरोध किया। मगर यह विडंबना ही है कि अमेरिकी मूल की जिन विभिन्न वैश्विक मूल्यांकन एजंसियों ने अप्रैल-जून तिमाही में दुनिया के सभी देशों की तुलना में भारतीय अर्थव्यवस्था का वृद्धि मूल्य सर्वाधिक होने का पूर्वानुमान लगाया था, उसी देश के राष्ट्रपति ने भारत को नाकाम अर्थव्यवस्था कह दिया। मगर यथार्थ के धरातल पर भारत की अर्थव्यवस्था संतुलित, अनुकूल और प्रगतिशील बनी हुई है।

अमेरिका को निर्यात होने वाली भारतीय वस्तुओं तथा कुछ सामग्रियों पर पचास फीसद शुल्क लगाने से फिलहाल जो भी नुकसान होगा, उसका आकलन बाद में आएगा और उपाय भी निकलेंगे। मगर पूर्व निवारक उपाय के रूप में देश के कृषि एवं सेवा क्षेत्र के उत्तम प्रदर्शन के बल पर सकल घरेलू उत्पाद में तीव्र वृद्धि लगभग तय है। हमारी अर्थव्यवस्था दूसरे देशों के मुकाबले अधिक संतुलित है। जिन क्षेत्रों के कारण आर्थिक मूल्य में वृद्धि हुई है, उनमें प्रमुख रूप में कृषि, होटल, वित्तीय एवं जमीन-जायदाद कारोबार जैसी व्यवसायगत सेवाएं सहायक रही हैं।

दुनिया के सभी देशों को पीछे कर भारत अभी भी सर्वाधिक तेजी से प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। वर्तमान वित्तीय वर्ष के अप्रैल-जून की तिमाही में दुनिया के दूसरे संपन्न देश चीन की जीडीपी में 5.2 फीसद की आर्थिक वृद्धि हुई है, जो भारत से 2.6 फीसद कम है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने अगस्त के आरंभ में वर्ष 2025-26 की वास्तविक जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.5 फीसद लगाया था। इसके अनुसार, भारतीय जीडीपी प्रथम तिमाही में 6.5, द्वितीय तिमाही में 6.7, तृतीय तिमाही में 6.6 तथा चतुर्थ तिमाही में 6.3 फीसद तक बनी रह सकती है। जीडीपी यानी सकल घरेलू उत्पाद से अभिप्राय एक निश्चित अवधि में देश की भौगोलिक सीमा के अंदर उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य अंकन से है। भारत के संदर्भ में वर्तमान तिमाही अवधि से पहले जीडीपी में जो उच्चतम वृद्धि हुई थी, वह वर्ष 2024 की अंतिम तिमाही जनवरी-मार्च में 8.4 फीसद थी।

उस दौरान भारत पर अमेरिका की ओर से शुल्क संबंधी तथा अन्य भू-राजनीतिक दबाव विचार स्तर पर ही थे और वास्तविक रूप से लागू नहीं हुए थे, तब 8.4 फीसद का आर्थिक वृद्धि मूल्य था, लेकिन अभी की तिमाही में तो अमेरिका से लेकर यूरोपीय देशों तक ने रूस से कच्चा तेल खरीदने के मामले में भारत से आर्थिक भेदभाव किया। यही नहीं, अर्थव्यवस्था से संबंधित अन्य प्रतिबंध तक लगाए जाने लगे। इन वैश्विक झंझावातों, उपेक्षा और तमाम कठिनाइयों में भी अब यदि भारतीय अर्थव्यवस्था में वृद्धि मूल्य 7.8 फीसद है, तो यह आर्थिक उन्नयन का ही एक उदाहरण है। ऐसी आर्थिक वृद्धि अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के लिए विचार, परीक्षण तथा शोध का विषय है।

राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, जीडीपी की 7.8 फीसद मूल्य वृद्धि में सर्वाधिक भूमिका 3.7 फीसद के साथ कृषि क्षेत्र की है, जो वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में 1.5 फीसद थी। वित्त वर्ष 2025-26 की प्रथम तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र का वृद्धि मूल्य बढ़ कर 7.7 फीसद हो गया है, जबकि एक वर्ष पहले इसी तिमाही में इस क्षेत्र का वृद्धि मूल्य 7.6 फीसद था। वर्तमान वित्त वर्ष की प्रस्तुत तिमाही ही नहीं, बल्कि आगामी तिमाहियों में भी घरेलू मांग बढ़ने के कारण अर्थव्यवस्था में तेजी से वृद्धि होने की संभावना है, क्योंकि एक ओर वर्षा ऋतु में अधिक बारिश कृषि क्षेत्र को फायदा पहुंचाएगी, वहीं त्योहारी महीने में बाजारों में उपभोक्ताओं के आने से कारोबार चमकेगा, जिससे राजस्व में वृद्धि होगी।

भारत पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का व्यापक आकलन नवंबर 2025 के बाद ही संभव है। तब तक ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते के धरातल पर आने के बाद परिणाम आने की संभावना है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था में होने वाले विचलन, ठहराव और असंतुलन को न्यूनतम सीमा तक थाम सकेगा। मुक्त व्यापार के क्रियान्वयन के लिए भारत ने अन्य देशों के साथ जो समझौते किए हैं, वे भी किसी सीमा तक भारतीय अर्थव्यवस्था की सहायता अवश्य करेंगे। जापान की ओर से किया जाने वाला निवेश भी भारतीय आर्थिकी के लिए लाभदायी होगा।

यदि चीन के साथ भारत के भू-राजनीतिक संबंधों में दीर्घकालीन संतुलन स्थापित होता है तथा यह निरंतर बना रहता है, तो निश्चित रूप में दोनों देशों की परस्पर व्यापारिक सहभागिता बढ़ेगी। इसके जरिए न केवल भारत, बल्कि चीन के लिए भी आर्थिक प्रगति के नए अवसर पैदा होंगे। दोनों ही देशों की अर्थव्यवस्था अप्रत्याशित रूप में सशक्त हो सकेगी।

चीन तथा भारत यदि साथ मिल कर वैश्विक अर्थव्यवस्था चलाएंगे, तो अमेरिका की ओर झुका हुआ वैश्विक शक्ति का पलड़ा दक्षिण एशियाई क्षेत्र की ओर अवश्य घूमेगा। इस दिशा में शासकीय अर्थव्यवस्था संभालने वाले वित्त मंत्रालय सहित सभी वित्तीय प्रतिष्ठानों को कई नए उपाय करने के साथ ठोस कदम उठाने होंगे। इसकी कवायद शुरू करनी होगी।

वर्तमान तिमाही में कृषि एवं विनिर्माण जैसे जिन दो क्षेत्रों में अधिक जीडीपी बढ़ी है, उन क्षेत्रों से संबंधित नवीनतम, व्यापक और दीर्घकालिक नीतियों को पूरे आत्मविश्वास तथा संकल्प के साथ लागू करना होगा। इसके लिए केंद्र तथा राज्यों को विनिर्माण इकाइयों के रूप में भारी उद्योगों, उत्पादन इकाइयों के रूप में सभी प्रकार के उद्योगों, वितरण इकाइयों के रूप में सेवा क्षेत्र की सभी शाखाओं तथा उपभोग इकाई के रूप में नागरिकों को प्रोत्साहित करना होगा। सूक्ष्म, मध्यम और लघु उद्यमों की सभी छोटी-बड़ी आवश्यकताएं पूरी करनी होंगी। उनकी समस्याओं और कठिनाइयों को भी समझना होगा। आवश्यकता के मुताबिक उनका त्वरित निदान करने की कार्य संस्कृति विकसित करनी होगी। इस संस्कृति का पूरी निष्ठा और समर्पण भावना के साथ पालन करना होगा। अर्थव्यवस्था में निरंतर उच्च वृद्धि के लिए शासन से लेकर जनसाधारण तक, सभी में राष्ट्रीय भावना, कर्त्तव्य तथा दायित्वों के प्रति अपेक्षित समर्पण अनिवार्य है। इस संगति के बिना आर्थिक समृद्धि की लक्षित और निर्धारित उपलब्धियां प्राप्त नहीं हो सकती हैं।

भारत को अमेरिकी चुनौतियों तथा वैश्विक अस्थिरता के बीच अर्थव्यवस्था के स्वदेशी तथा विदेशी, दोनों प्रकार के कारकों का ध्यान रखना होगा। आर्थिक रूप में निरंतर शक्ति संपन्न बनने की दिशा में कार्य करना होगा। यदि आर्थिक प्रगति के आधार पर भारत कभी चीन और अमेरिका से आगे बढ़ कर प्रथम पंक्ति में खड़ा होगा, तो इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव नहीं होगा। भारतीय अर्थतंत्र जितना अधिक मजबूत होगा, विश्व की अर्थव्यवस्था उतनी ही सुगठित और स्वस्थ होगी।

अगर सब कुछ पैसा ही है तो पैसे वालों की जिंदगी में सुकून क्यों नहीं है? सवाल वही - बाजार में चैन क्यों नहीं बिकता?

यह मनुष्य का स्वभाव है कि उसके लिए पद, पैसा और प्रतिष्ठा प्राप्त करने की चाहत का अंतिम छोर कहीं नहीं होता। आमतौर पर जमाने भर की उठापटक इसी सोच के तहत चलती रहती है कि जो कुछ प्राप्त है, वह अपर्याप्त है। दरअसल, 'जितना मिल सका है, उससे और ज्यादा' के चक्र में आदमी कभी-कभी इस कदर उलझ जाता है कि फिर उसके लिए नैतिक और अनैतिक में भेद करना जरूरी नहीं रह जाता। मन की चाहत के अनुरूप सब कुछ हासिल करने का ही भाव मन में बना रहता है। चाहे इसके एवज में मान-सम्मान ही दांव पर क्यों न लग जाए। इस संदर्भ में यह उल्लेख करना भी जरूरी है कि कहीं-कहीं ऐसी मानसिकता के भी दर्शन होते हैं कि पद है, पैसा है, तो प्रतिष्ठा तो उसके संग दौड़ी-दौड़ी चली आएगी।

दरअसल, हम अपने आसपास के परिवेश पर ही दृष्टिपात करें, तो काफी हद तक ऐसी मानसिकता के उदाहरण देखने को मिल सकते हैं। आमतौर पर ऐसी शख्सियत राजनीतिक, व्यावसायिक या सामाजिक कवच धारण किए हुए होती है। यही कारण है कि फिर इनके सामने कभी-कभी कानून की पकड़ भी ढीली पड़ जाती है। यह वर्ग बदनामी में भी 'नाम' को लेकर आश्वस्त हो सकता है। अलग-अलग क्षेत्र के विभिन्न माफियाओं की ताकत का अंदाजा लगभग सभी को है। वास्तव में पद और पैसे की प्राप्ति राजनीतिक या सामाजिक पहुंच के आधार पर होने लगी है। धन कुबेर व्यापारिक वर्ग भी तमाम तरह की व्यवस्थाओं को अपनी अंगुली पर नचाने का माद्दा रखने लगा है।

देखते ही देखते राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्थाएं भी तीव्र गति से अर्थ प्रधान होती चली जा रही है। हालांकि धर्म, ध्यान के प्रति समर्पित भाव भी उफान पर दिखाई देता है। विभिन्न धार्मिक समागम में बड़ी संख्या में भक्तों का जमावड़ा भी देखा जा सकता है, धर्म के मर्म को समझ कर उसके अनुरूप आचरण और व्यवहार अपेक्षाकृत कम ही दिखाई देता है। सब कुछ बाहरी तौर पर ही संपन्न होता दिख रहा है। तमाम तरह के आडंबर और 'शक्ति परीक्षण' के दृश्य दिखाई देने लगे हैं। परमात्मा के प्रति अगाध भक्तिभाव के प्रदर्शन का पैमाना भी काफी हद तक आर्थिक होने लगा है। इसके चलते धर्म जगत में भी 'वीआइपी कल्चर' यानी अति-महत्त्वपूर्ण लोगों को तरजीह देने का चलन देखने को मिल सकता है।

सामाजिक परिवेश में देखते ही देखते तमाम तरह के अपराधों की लगातार बाढ़-सी आती जा रही है। कानून की पकड़ को कानून से कमजोर करने का सिलसिला भी लगातार परवान चढ़ता जा रहा है। हर तरफ तथाकथित तरक्की की दौड़ में लगभग हर कोई शामिल है। जैसे-जैसे इंसान अपनी जिंदगी के किनारे लगता जाता है, वैसे-वैसे मन की चाहत का सिलसिला भी लगातार विस्तार पाता जाता है। वैसे यह जरूर है कि हर क्षेत्र में तरक्की की कामना सभी को होती है, लेकिन एक तथ्य यह भी है कि हर आती-जाती सांस हमारे जीवन का क्षरण करती जा रही है। विडंबना है कि हम इस दिशा में जानकर भी अनजान बनते हैं। एक प्रकार से बहुत ही भ्रम की स्थिति में हम खड़े हैं।

एक जमाने में 'आंख में शर्म' कुछ इस कदर होती थी कि जहां कहीं कोई विवाद तूल पकड़ लेता, हिंसक उपद्रव होने लगता, भारी मात्रा में हथियारों का उपयोग कर प्रतिस्पर्धी को ठिकाने लगाने की तैयारी होती, ऐसे माहौल में अगर कोई संभ्रांत शख्सियत सड़क पर उतर आती, तो कई बार देखते ही देखते केवल आंख में शर्म के चलते बहुत सारे उपद्रवी एकदम शांत हो जाते। प्रतिष्ठित लोगों को अपना पंच बनाकर बड़े से बड़े विवाद सुलझाया जा सकता था। दरअसल, एक दौर में प्रतिष्ठित लोग वास्तव में प्रतिष्ठित होते थे। जन-जन के अंतर्मन में प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की प्रतिष्ठा को लेकर गहरा सम्मान हुआ करता था। कई बार 'शर्म और लिहाज' से ही बिगड़ी कानून और व्यवस्था नियंत्रित हो जाती थी। आज के परिदृश्य में आखिरकार क्या सही है और क्या गलत, इसके निर्धारण की कसौटी ही खोटी सिद्ध होने लगी है। ऐसी स्थिति में अंतरात्मा के सुकून के लिए आखिर आदमी कहां जाए, क्या करे? इस संदर्भ में सोचते और विचारते हुए संसार की वास्तविक स्थिति का आकलन करना आसान नहीं है। निश्चित रूप से हम अंतरात्मा में सुकून की दिव्य अनुभूति करना चाहते हैं, तो हमें पद, पैसे और प्रतिष्ठा की चाहत के भाव को तिलांजलि देनी होगी। वैसे भी सच्चे सुख की तलाश में कहीं और भटकने की कहीं कोई आवश्यकता नहीं होती है। आखिर हमें जीवन में कितना कुछ चाहिए होता है? संसार में जो भी आया है, खाली हाथ आया है और खाली हाथ जाना है। फिर परिग्रह के प्रति ऐसा अदम्य आग्रह क्यों? आजकल तो यह प्रवृत्ति और ज्यादा बढ़ती जा रही है कि जिसके पास ज्यादा धन है, वह उसमें तेज रफ्तार से बढ़ोतरी करने के लिए हर तरह के उचित-अनुचित तरीके अपनाने में नहीं हिचकता। ऐसा लगता है कि उसे धन या संपत्ति के किसी खास स्तर को प्राप्त करना है और उसके बाद उसके जीवन को अभयदान मिल जाएगा। सवाल है कि इस होड़ में क्या समाज और दुनिया का बहुत बड़ा तबका पीछे नहीं छूट रहा है, जिसके जीवन की सुरक्षा और सहजता को लेकर कहीं भी फिक्र नहीं देखी जा रही है।

लद्दाख के जेन-जेड क्रांति से सबक सीखे भारत, अन्यथा.....!

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर जारी आंदोलन ने गत्वबुधवार को हिंसक रूप अख्तियार कर लिया है। इसके बाद लेह में प्रदर्शनकारी छात्रों की सुरक्षाबलों से झड़प हुई, जिसमें 4 लोगों की मौत हुई और 70 से ज्यादा घायल हैं। वहीं, प्रदर्शन के दौरान बीजेपी के ऑफिस और सीआरपीएफ की गाड़ी में आग लगा दी गई। चूंकि यह अतिवादी कार्रवाई है। इसलिए हिंसा पर काबू पाने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। वहीं, हालात को देखते हुए लेह में कर्फ्यू लगा दिया गया। बिना मंजूरी के रैली और प्रदर्शनों पर रोक लगा दी गई है।

बताते चलें कि लद्दाख को राज्य का दर्जा समेत कई मांगों पर सोशल ऐक्टिविस्ट सोनम वांगचुक विगत 15 दिनों से भूख हड़ताल पर थे। लिहाजा, उनकी मांगे पूरी न होने पर प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को बंद बुलाया। इसी सिलसिले में सोशल मीडिया पर लोगों से लेह हिल काउंसिल पहुंचने की अपील की गई। जिसके बाद गत बुधवार को सैकड़ों की संख्या में आंदोलनकारी सड़कों पर उतरे। इसी दौरान हिंसा हुई। सरकारी सूत्रों ने कहा कि हिंसा में राजनीति से प्रेरित साजिश की बूआ रही है।

वहीं, केंद्र सरकार ने दो टूक शब्दों में कहा है कि सोनम वांगचुक के उकसाऊ बयानों से यह हिंसा भड़की है। इससे पहले वांगचुक ने हिंसा पर दुख जताते हुए अनशन तोड़ दिया। उन्होंने इन घटनाओं के लिए जेन-जेड (1997 से 2012 के बीच जन्म लेने वाली पीढ़ी) की हताशा को जिम्मेदार ठहराया और शांति की अपील की। उल्लेखनीय है कि प्रदर्शनकारियों की 4 अहम मांगें हैं- लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा, पूर्वोत्तर की तरह संवैधानिक सुरक्षा, करगिल, लेह की अलग-अलग लोकसभा सीट और सरकारी जॉब्स में में स्थानीय लोगों की भर्ती।

इससे स्पष्ट है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और चीन के हमदर्द राहुल गाँधी जो नेपाल-बंगलादेश की तरह पूरे देश में यही कुछ चाहते थे, के मनोरथ पूर्ण होने की तरफ बात बढ़ चली है। यदि शेष भारत में गृहयुद्ध भड़कता है तो इसके लिए इस देश में केवल विपक्षी दल, कथित सिविल सोसायटी और बाहरी शक्तियाँ, यथा- अमेरिकी डीप स्टेट तथा इस्लामिक अतिवादी संस्थाएं दोषी तो होंगी ही, साथ ही साथ इस बद से बदतर स्थिति के लिए कथित राष्ट्रभक्त हिंदू और सनातन धर्म प्रेमी लोगों का एक बड़ा तबका भी होगा जो उनके इशारे पर थिरकते हैं।

ऐसा इसलिए कि आप लद्दाख की इस घटना से लेकर नेपाल के हाल-फिलहाल के वाक़ये तक इनके द्वारा लिखी व बोली गई अनाप-शनाप बातों से अंदाजा लगा सकते हैं।वास्तव में ये जाने-अनजाने में देश धर्म विरोधी तत्त्वों के हथियार बन रहे हैं। यह गम्भीर बात है। इससे संवैधानिक सफलता भी संदिग्ध हुई है। सच कहूं तो भारत के अतिसंवेदनशील केंद्र शासित प्रदेश 'लद्दाख' से जेन-जेड क्रांति का जो आगाज दिखाई-सुनाई पड़ा है, यह हमें समय रहते ही सावधान करने के लिए काफी है। यह स्थिति किसी भी लोकतंत्र के लिए शर्म की बात है। चाहे सम्बन्धित सेना हो या सिविल व पुलिस प्रशासन, यदि उनके द्वारा अमेरिकी खुफिया इकाई सीआईए द्वारा प्रोत्साहित इस कथित जेड-जेन क्रांति को सख्ती पूर्वक नहीं कुचला गया तो उनका भविष्य भी अंधकारमय हो जाएगा!

बेहतर होगा कि इस स्थिति के लिए जिम्मेदार लोगों को अविलंब कैद करके उन्हें आजीवन कारावास या फांसी की सजा दी जाए, क्योंकि उनके कुकर्मों से धन-जन की हानि हुई है, अन्यथा भारतीय लोकतंत्र में भी एक गलत ट्रेंड स्थापित हो जाएगा। एशियाई लोकतंत्र की सफलता पर सवाल उठेंगे। ऐसा इसलिए कि पश्चिमी लोकतंत्र खूनी लोकतंत्र है, पक्षपाती डेमोक्रेसी है। जिसका मकसद दुनिया भर में लोकतांत्रिक जनभावना मजबूत करना नहीं, बल्कि अपने आर्थिक व साम्राज्यवादी लाभ के लिए दुनिया में कठपुतली सरकार कायम करना है।

यही वजह है कि जेन-जेड जैसी कथित क्रांति से हो रहे सत्ता परिवर्तन और बन रही कठपुतली सरकारों को दुनियावी लोकतंत्र की सफलता के लिहाज से उचित नहीं समझा जा सकता है। इसलिए लद्दाख घटनाक्रम के बाद भारत को ठोस और प्रभावी कदम उठाने ही होंगे और इससे अपने पड़ोस को भी लाभान्वित करने की सद्भावना रखनी होगी।

कहना न होगा कि 2014 की सनातन युवा क्रांति के बाद बनी भाजपा नीत मोदी सरकार की सफलता से ही भारत, अमेरिका-चीन और अरब देशों के निशाने पर है। इसलिए श्रीलंका, अफगानिस्तान, बंगलादेश, नेपाल आदि में जो जेन-जेड क्रांति हुई, उसका मकसद भारतीय राजनेताओं और सेना के धैर्य की परीक्षा लेना था। जब हम लोकतंत्र की पैरोकारी में मजबूती पूर्वक विफल रहे तो लद्दाख जेन-जेड क्रांति हमें मुबारक कर दिया गया।

सवाल है कि यह भी प्रयोग केरल, पश्चिम बंगाल और जम्मू-कश्मीर के बजाय बौद्ध धर्म बहुल लद्दाख में करवाया गया ताकि बौद्धों के प्रति हिंदुओं के मन में नफरत पैदा हो और चीन-भारत व तिब्बत-भारत के रिश्तों में पलीता लगे। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि यदि अफगानिस्तान, श्रीलंका, बंगलादेश, नेपाल में लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता परिवर्तन हुआ होता तो बेहतर होता। लेकिन चरमपंथियों और हिंसकों को कुचलने के बजाय स्थानीय सेना व प्रशासन द्वारा ऐसे अराजक तत्वों से बात करने से समकालीन लोकतंत्र के प्रति गलत संदेश गया है।

लिहाजा, अविलंब इसकी भरपाई के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ, अमेरिका, रूस और चीन आदि के साथ मिलकर अराजक तत्वों पर कार्रवाई की जानी चाहिए, अन्यथा असहयोग मिलने पर भारत की सेना को ही इन पर आक्रमण करके इन्हें भारतीय भूभाग में मिला लेना चाहिए। इसके साथ ही पश्चिमी देशों व ब्रिक्स देशों जैसे लोकतंत्र के कथित दरिंदों को ग्लोबल साउथ के समक्ष बेनकाब करने की स्पष्ट रणनीति अख्तियार करनी चाहिए।

कहने का तातपर्य यह कि विधि के शासन को बहाल करने के लिए भारत व उसके पड़ोसी देशों की सेना को आपसी सांठगांठ करके व स्थानीय सिविल व पुलिस प्रशासन को भरोसे में लेकर निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए। इस दिशा में हर तरह की कुर्बानी के लिए भी तैयार रहना चाहिए और किसी तरह के 'कत्लेआम' से गुरेज नहीं करना चाहिए। अन्यथा भारत विकास और सुशासन की रेस में पिछड़ जाएगा।

समकालीन जेन-जेड की हिंसक प्रवृति को देखते हुए लोगों को आशंका है कि जी-7 और ब्रिक्स के कतिपय चतुर सुजान देश यही अराजकता चाहते हैं, ताकि उनके गोला-बारूद की खपत बढ़े। इसी की आड़ लेकर वे दुनियावी प्राकृतिक संसाधनों को लूट सकें। इसलिए भारत को अविलंब जिला स्तर पर अपनी तैयारी को धार दी जानी चाहिए, ताकि हिंसक व अराजक तत्वों को उनकी औकात में रखा जा सके। अन्यथा यह 'खूनी लोकतंत्र' भविष्य में अमेरिकी पूंजीपतियों का गुलाम हो जाएगा। बहरहाल ये अराजकता पैदा करके हथियार बेचेंगे और भारतीय उपमहाद्वीप भी अरब व खाड़ी देशों की तरह झुलसता रहेगा।

बताते चलें कि कथित पूर्ण राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर लद्दाख में चल रहा प्रदर्शन जिस प्रकार से हिंसक हो गया और भाजपा के कार्यालय तक को निशाना बनाया गया, उसमें भाड़े के उत्पाती शामिल नहीं हैं तो क्या हैं? यह ठीक है कि सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की अगुआई में लंबे वक्त से यह मांग उठायी जा रही है और इसे लेकर केंद्र से कई दौर की बातचीत भी हो चुकी है। लेकिन, इस दौरान इस सोच का हिंसा का हो जाना दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक दोनों है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि पूरे देश में एक सही संदेश जाए।

यह ठीक है कि सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 और 35-ए के प्रावधान हटाने के साथ ही जम्मू-कश्मीर से अलग कर लद्दाख को केंद्र शासित राज्य बनाया था। तब सरकार ने वादा किया था कि हालात सामान्य होते ही पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। लेकिन अब ऐसा लगता है कि 6 साल बाद लोगों का भरोसा और सब्र डगमगाने लगा है। फिर भी लेह में हिंसा होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके पीछे विदेशी ताकतों के हाथ की पड़ताल और जम्मू-कश्मीर सरकार की परोक्ष भूमिका की जांच होनी चाहिए।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि सोनम वांगचुक इस मुद्दे पर पिछले कई महीनों से आंदोलनरत रहे हैं। पिछले साल मार्च में भी वह 21 दिनों के आमरण अनशन पर बैठे थे। उसके बाद दिल्ली तक पदयात्रा निकाली। इस समय भी उन्होंने 15 दिनों का चूंकि लेह में हुए प्रदर्शन को जेन-जेड का आंदोलन कहा जा रहा है। क्योंकि कुछ दिनों पहले यही पीढ़ी नेपाल में सत्ता बदल चुकी है। लेकिन, नेपाल और लद्दाख की तुलना कतई नहीं की जा सकती है। और न ही हिंसा को किसी भी तरह से जायज ठहराया जा सकता है। वैसे भी सोनम वांगचुक का पूरा आंदोलन अहिंसक रहा है। यहां तक कि सरकार से मतभेद होने पर भी उन्होंने बातचीत का रास्ता नहीं छोड़ा है। लिहाजा, उनके समर्थन में खड़े युवाओं को इसे समझना चाहिए। क्योंकि विदेशी शह प्राप्त हिंसा से उनकी समस्या और अधिक जटिल हो जाएगी।

ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि आखिर इसका समाधान क्या हो सकता है? भारत के प्रगतिशील लोगों की राय है कि इसके लिए लद्दाख के लोगों की चिंता पर संवेदनशीलता से विचार करने की जरूरत है। क्योंकि उनमें यह डर है कि अगर शासन उनके हाथ में न रहा तो प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन होगा। चूंकि छठी अनुसूची, स्वायत्तता और स्वशासन के कुछ विशेष अधिकार देती है। इसलिए असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के जनजातीय क्षेत्र की तरह ही लद्दाख को भी इस सूची के तहत सुरक्षित किये जाने की पहल अविलंब की जानी चाहिए।

बताया गया है कि केंद्र सरकार और आंदोलन में शामिल लेह एपेक्स बॉडी व कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के बीच आगामी 6 अक्टूबर को बातचीत प्रस्तावित है। इसलिए लोगों में यह विश्वास पैदा करना जरूरी है कि फैसलों में लद्दाख के हितों का ख्याल रखा जाएगा। इसका सबसे बेहतर तरीका पारदर्शिता है। वहीं, जनता को भी समझना होगा कि सरकार के लिए हर मांग मानना और तुरंत मानना संभव नहीं होता है। इसके लिए भी कमेटी गठित करनी पड़ती है।

मिशन शक्ति-5.0 अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी की उपस्थिति में निःशुल्क मेगा सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन का किया गया आयोजन

सशक्त नारी से ही होगा देश व प्रदेश समृद्ध-जिलाधिकारी

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए समय पर लगवाये सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन

प्रयागराज। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन पर आधारित मिशन शक्ति-5.0 अभियान के अंतर्गत महिलाओं को स्वस्थ बनाये रखने एवं सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की उपस्थिति में शुक्रवार को राजकीय बालिका इण्टर कालेज में रोटरी क्लब, इलाहाबाद के सहयोग से निःशुल्क मेगा सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन एवं मिशन शक्ति जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।

जिलाधिकारी ने मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत आयोजित सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन के अवसर पर राजकीय बालिका इण्टर कालेज की छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि सर्वाइकल कैंसर की समस्या महिलाओं में लगातार बढ़ रही है और इससे प्रत्येक वर्ष बहुत सी महिलाओं की मृत्यु भी हो रही है। यह वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए बनायी गयी है और यह पूरी तरह से सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि अन्य वैक्सीनों की तरह यह वैक्सीन भी महिलाओं के लिए अति आवश्यक है। यह वैक्सीन बालिकाओं को 09 से 15 वर्ष की आयु में लगाये जाने पर सबसे ज्यादा प्रभावी है। इसे 15 वर्ष की आयु के बाद भी लगाया जा सकता है, किंतु उम्र के साथ इसकी प्रभाविता घटती जाती है, इसलिए इसके प्रति कम उम्र में ही जागरूक होने की आवश्यकता है।

जिलाधिकारी ने छात्राओं से कहा कि नवरात्रि के अवसर पर मिशन शक्ति अभियान 5.0 का प्रारम्भ किया गया है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि में हम सब मां दुर्गा की पूजा कर शक्ति की आराधना करते है, इसलिए विभिन्न महिला अधिकारियों के द्वारा आपको जागरूक किया जा रहा है कि महिलाएं किसी से कमजोर नहीं है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं बड़े-बड़े पदो पर रहकर अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं। आप सभी सशक्त व मजबूत महिला बनना है, जिससे आपको कोई नीचा न दिखा सके। उन्होंने कहा कि आपको अपना आत्मविश्वास हमेशा ऊपर रखना है। आत्मसुरक्षा के उपाय हेतु मार्शल आर्ट की ब्लैक बेल्ट योग्यताधारी प्रशिक्षिकाओं के द्वारा आपको प्रशिक्षित भी किया जायेगा। कहा कि यदि आपके साथ कोई अनुचित व्यवहार करने का प्रयास करता है, तो तुरंत कड़ा प्रतिरोध करें और किसी और के द्वारा रक्षा किए जाने का इंतजार किए बगैर तुरंत एक्शन लें। पुलिस व प्रशासन सदैव आपके साथ सहयोग के लिए उपलब्ध है।

उन्होंने कहा कि आपको फिजिकली व मेंटली दोनो रूप से मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि आज जहां कहीं भी सक्सेसफुल लोगो की लिस्ट आती है, उसमें महिलाओं एवं लड़कियों की संख्या सबसे ज्यादा रहती है। उन्होंने कहा कि आपको अपने अधिकारों के लिए स्वयं खड़ा होना पडेग़ा तथा परिवार में भी भेदभाव के प्रति भी प्रतिरोध करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि घर में ही लड़कियों की आवाज दबायी जायेगी, तो वह बाहर भी दबाव महसूस करेगी। उन्होंने कहा कि जिस दिन आपने घर में अपना पक्ष रखना शुरू किया, उसी दिन से समाज भी आपकी बात सुनेगा। कहा कि सरकार, प्रशासन सदैव आपके साथ है और आप किसी से कम नहीं, बल्कि आप बेहतर हैं। आपको अपने आप पर भरोसा होना चाहिए, आपको मेहनत करनी आनी चाहिए और हमेशा गलत के विरूद्ध आवाज उठाना चाहिए, फिर आपको आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता है।

जिलाधिकारी ने मिशन शक्ति अभियान की थीम-सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश का जिक्र करते हुए कहा कि जब तक नारी सशक्त नहीं होगी, तब तक प्रदेश समृद्ध नहीं होगा। कहा कि आधी जनसंख्या आपकी है, यदि आधी जनसंख्या कार्य नहीं करेगी, मजबूत नहीं होगी, तो देश और प्रदेश कैसे विकसित होगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार चेन की एक भी कड़ी कमजोर नहीं होनी चाहिए, उसी प्रकार यदि हमारी आधी जनसंख्या सशक्त नहीं होगी, तो हमारा प्रदेश कैसे समृद्ध होगा।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी सर्बजीत सिंह, महिला थानाध्यक्ष वंदना पाण्डेय, वन स्टाप सेंटर मैनेजर निलेशा यादव, सह जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रधानाध्यापिका, अध्यापिकाएं, इलाहाबाद रोटरी क्लब के सदस्य सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

खुला आश्रय गृह को गोद लेगा मुक्त विश्वविद्यालय

प्रधानमंत्री के जन्मोत्सव पर आश्रय गृह के बच्चों से मिले कुलपति, खिलौने पाकर खुश हुए बच्चे

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के तत्वावधान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मोत्सव पखवाड़े के अन्तर्गत शुक्रवार को शांतिपुरम, फाफामऊ, प्रयागराज में स्थित खुला आश्रय गृह को कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने पठन-पाठन से संबंधित सामग्री प्रदान की।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बच्चों को पठन-पाठन हेतु पुस्तक, कॉपी, पेन्सिल, रबड़, स्केल, शार्पनर के साथ ही आश्रय गृह को एक सेट किट भेंट किया। इस अवसर पर कुलपति ने इस खुला आश्रय गृह को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए जाने की घोषणा की। इस अवसर पर खुला आश्रय गृह की अधीक्षिका श्रीमती दिव्या त्रिपाठी, नंदिनी, निखिलेश, अर्चना तथा अनिल आदि को बच्चों के पठन-पाठन के लिए सफेद बोर्ड, कुर्सी, खिलौने तथा पाठ्य पुस्तकें प्रदान की। कुलपति ने बच्चों को हर सहायता उपलब्ध कराए जाने का आश्वासन दिया और उनके स्वस्थ तथा उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने हेतु प्रेरित भी किया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि बाल कल्याण समिति किशोर न्याय प्रयागराज के अध्यक्ष डॉ.अखिलेश कुमार मिश्र ने खुला आश्रय गृह के कार्यकलापों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ मिश्र ने कुलपति के इस प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, कार्यक्रम नोडल प्रभारी प्रोफेसर पी. के. पाण्डेय, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, प्रोफेसर संजय कुमार सिंह, डॉ. आनंदानन्द त्रिपाठी, डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. सतीश चन्द्र जैसल आदि उपस्थित रहे।

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत वेस्ट मटेरियल से बच्चों ने बनाई उपयोगी वस्तुएं

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के तहत श्री महाप्रभु पब्लिक स्कूल, शिवकुटी में विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में बच्चों को वेस्ट मटेरियल से उपयोगी वस्तुएँ बनाना सिखाया गया। बच्चों ने समाचार पत्र, प्लास्टिक बोतल और कार्डबोर्ड का उपयोग कर विभिन्न कलात्मक एवं रचनात्मक आकृतियाँ तैयार कीं।

ज्योति सिंह एवं जितेन्द्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में बच्चों ने रिसायकल और रीयूज़ की तकनीक से टी-कोस्टर, पेन स्टैंड, चेरियल फेस मास्क, ट्राइबल फेस मास्क जैसी आकर्षक वस्तुएँ तैयार कीं। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रविन्द्र बीर्डी ने छात्र-छात्राओं एवं प्रशिक्षकों के कार्य की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

युवाओं को लगातार धोखा दे रही भाजपा सरकार

आए दिन पेपर लीक, रिजल्ट में धांधली की खबरों से सरकार के प्रति निराशा बढ़ी

स्नातक एमएलसी चुनाव की तैयारियों की समीक्षा बैठक में बोले लोहिया वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राम करण निर्मल

प्रयागराज। भाजपा सरकार युवाओं के साथ लगातार धोखा कर रही है। आए दिन पेपर लीक, रिजल्ट में धांधली, आरक्षण के साथ खिलवाड, नियुक्तियों को रोके रखना जैसे गंभीर मामले भाजपा सरकार में आम हो चुके हैं। उक्त आरोप सपा लोहिया वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राम करण निर्मल ने लगाया है। डॉ निर्मल आज सपा के जिला कार्यालय जार्ज टाउन में स्नातक एमएलसी चुनाव की तैयारियों को लेकर युवा फ्रंटल संगठन लोहिया वाहिनी एवं यूथ ब्रिगेड के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा की बेरोजगारों को रोजगार, महिलाओं को सुरक्षा, किसानों को राहत तथा आम आदमी को सम्मान सिर्फ समाजवादी सरकार में मिलता है।उन्होंने युवाओं में जोश भरते हुए कहा कि सपा मुखिया मा अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा आज देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। भाजपा पीडीए की एकजुटता से परेशान है।स्नातक चुनाव में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्णबताते हुए उन्होंने

पूरी सिद्दत के साथ चुनाव की तैयारियों में जुट जाने की अपील किया।

एमएलसी डॉ मानसिंह यादव ने कहा कि प्रदेश के बेरोजगारों, शिक्षा मित्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों सहित आम आदमी कि आवाज को वह लगातार सदन में उठाते रहे हैं। अनेकों मामलों में उन्होंने पीड़ितों को न्याय दिलाने का काम किया है।

इस मौके पर प्रमुख रूप से डॉ रामकरण निर्मल, एमएलसी डॉ मानसिंह यादव, जिलाध्यक्ष अनिल यादव, पूर्व विधायक सत्य वीर मुन्ना, संदीप यादव, दूध नाथ पटेल,नवीन यादव, आसुतोष तिवारी, रत्नेश यादव आदि सहित सैकड़ो कि संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

देवो ने प्रयागराज में किया नए स्टोर का भव्य लांच

नया प्रीमियम आउटलेट देवो - सियाराम्स की एक पहल- परंपरा और आधुनिकता का अनोखा संगम- प्रयागराज में पेश किया

प्रयागराज। देवो सियाराम्स की एक पहल ने अपने नए स्टोर के साथ प्रयागराज में शानदार एंट्री की है। यह स्टोर राम कॉम्प्लेक्स, सिविल लाइन्स, प्रयागराज में स्थित है। यह ब्रांड पुरुषों के विशेष अवसरों के परिधानों में न केवल विशेषज्ञता रखता है, बल्कि सियाराम्स की समृद्ध विरासत से गहराई से जुड़ा हुआ है। देवो ने खुद को आधुनिक भारतीय पुरुषों के लिए एक ऐसे ब्रांड के तौर पर स्थापित किया है, जो स्टाइलिश होने के साथ-साथ परंपराओं के प्रति अपनी गहरी समझ और सम्मान को भी बनाए रखता है।

भव्य उद्घाटन समारोह की शुरुआत प्रयागराज के मेयर और मुख्य अतिथि गणेश केसारवानी तथा सियाराम्स के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर गौरव पोद्दार की सम्मानित उपस्थिति में हुई। दोनों ने मिलकर पारंपरिक रिबन काटा और दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह आयोजन प्रयागराज के खास व्यक्तियों, प्रसिद्ध सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और समाज के अन्य प्रमुख सदस्यों को आकर्षित करने में सफल रहा।

इस अवसर पर बोलते हुए गौरव पोद्दार ने कहा, 'प्रयागराज, देवो की विरासत और उसके मूल भाव को बखूबी प्रतिबिंबित करता है। इस जीवंत शहर में परंपरा और आधुनिकता का अद्वितीय संगम प्रस्तुत करने पर हमें गर्व है।'ब्रांड के शीर्ष प्रबंधन टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए, विकास मल्होत्रा - वाइस प्रेसिडेंट, सियाराम्स ने कहा, 'हमारे लिए देवो सिर्फ फैशन नहीं है, यह कहानियों, विरासत, और भारतीय संस्कृति की गहराई से जुड़े फैशन के लिए गर्व का प्रतीक है। प्रयागराज में इसे लांच करना बेहद खास है क्योंकि यह शहर देवो की सोच – परंपरा की समृद्धि और आधुनिक दृष्टिकोण के सुंदर संगम – को बखूबी दर्शाता है।'

ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव - ब्रांड हेड, देवो ने कहा, 'यह सिर्फ एक स्टोर का लांच नहीं है, बल्कि प्रयागराज के साथ एक गहरे संबंध की शुरुआत है। देवो - सियाराम्स की पहल, केवल फैशन नहीं बल्कि संस्कृति, विश्वास और गुणवत्ता का प्रतीक है।'

शाम का माहौल जोश और उत्साह से भरपूर था। मेहमानों का मनोरंजन क्लासिकल और मॉडर्न म्यूजिक के अनोखे संगम से किया गया। साथ ही इसके साथ ही, प्रयागराज की समृद्ध संस्कृति को सम्मान देते हुए खाने-पीने की बेहतरीन व्यवस्था ने इस कार्यक्रम को और खास बना दिया।प्रयागराज में देवो का नया स्टोर एक शानदार खरीदारी अनुभव देने के लिए खास तौर पर तैयार किया गया है। स्टोर का इंटीरियर, पर्सनल स्टाइलिंग सपोर्ट और हर चीज ब्रांड की प्रीमियम पहचान को दिखाता है। यहां ग्राहक खास तौर पर तैयार किए गए लुक्स का अनुभव कर सकते हैं, जो उनकी खरीदारी को आसान ही नहीं, बल्कि प्रेरणादायक भी बनाते हैं।इस स्टोर में देवो की सिग्नेचर स्टाइल्स दिखाई गई हैं, जिनमें हाथ से बनी कढ़ाई वाली शेरवानी, इंडो-वेस्टर्न आउटफिट्स, क्लासिक जोधपुरी, कुर्ता-पायजामा और एक्सेसरीज़ शामिल हैं। यह ब्रांड उन आधुनिक भारतीय पुरुषों के लिए बनाया गया है, जो शादी और दूसरे खास मौकों के लिए स्टाइलिश कपड़े एक ही जगह से चुनना चाहते हैं।इस उद्घाटन समारोह ने परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाते हुए देवो के शानदार फैशन को आधुनिक भारतीय पुरुषों की पसंद के अनुरूप फिर से साबित किया। हर नए स्टोर के साथ, कंपनी प्रीमियम एथनिक और खास मौकों के कपड़ों की श्रेणी में अपनी पकड़ और मजबूत करेगी।

भाजपाइयों ने नेक्स्ट जीएसटी रिफार्म जागरूकता अभियान चलाया

प्रयागराज। भाजपा राजरुपपुर मंडल के द्वारा शक्ति केंद्र राजरूप पुर में नेक्स्ट जीएसटी रिफार्म जागरूकता अभियान निकाला इस अवसर शहर पश्चिमी के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्र के दुकानदारों और व्यापारियों से संवाद स्थापित किया और उन्हें जीएसटी सुधार 2025 से होने वाले लाभ और व्यापारियों को राहत और आम जन को सीधे फायदा होने संबंधित विषयों से जानकारी दी। इस अवसर मंडल अध्यक्ष पारस कुमार श्रीवास्तव, जिला मंत्री राजू राय , मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी, राम जी शुक्ला, पार्षद शिव भारतीय पार्षद मिथलेश सिंह, मनोज मिश्रा अजय हेला, हिमालय श्रीवास्तव, शुभम बाला पांडे, विवेक गौड़, मनोज पाण्डेय, सुशील कनौजिया, आदि मंडल के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए चला जागरूकता अभियान

कीडगंज पुलिस ने केएन काटजू कालेज में छात्राओं को दिये सुरक्षा के टिप्स

प्रयागराज। नारी की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए समर्पित महत्वाकांक्षी अभियन मिशन शक्ति के पांचवे चरण के तहत शुक्रवार को कीडगंज एंटीरोमियो स्क्वायड व महिला बीट की अधिकारियों ने केएन काटजू इंटर कालेज में छात्राओं को जागरूक किया। उनको सुरक्षा के टिप्स दिये गये। इसके बाद पम्फलेट का वितरण किया गया।

पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में पुलिस उपायुक्त नगर एवं अपर पुलिस उपायुक्त नगर के कुशल पर्यवेक्षण में नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत नगर जोन के कीडगंज थाना में गठित एंटीरोमियों स्क्वाड व महिला बीट अधिकारियों ने केएन काटजू इण्टर कॉलेज कीडगंज में महिला सशक्तिकरण के सम्बन्ध में बालिकाओं, छात्राओं एवं महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण के संबंध में जागरूक करते हुए गुड-टच, बैड-टच तथा विभिन्न हेल्पलाइन- वूमेन पॉवर लाइन-1090, आपातकालीन सेवा यूपी-112, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा-102, एम्बुलेंस-108, साइबर क्राइम-1930 आदि के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही मिशन शक्ति केन्द्र, एण्टी-रोमियो स्क्वाड व आत्मरक्षा सम्बंधी टिप्स आदि के बारे में विस्तृत रुप से जानकारी देकर जागरुक किया गया । कीडगंज थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि मिशन शक्ति के पांचवे चरण के तहत लगातार कालेजों, सार्वजनिक स्थानों में पहुंचकर पुलिस टीम महिलाओं एवं छात्राओं को जागरूक कर रही हैं। नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलबंन के लिए बताया जा रहा है। छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए जा रहे हैं। इस दौरान निरीक्षक एसएम कासिम उनि सूरज वर्मा, संदीप यादव, सिपाही आसिफ इकबाल खां महिला आरक्षी शशिप्रभा राय, उमेशचन्द्र, अंकिता आदि रहीं।

बाजे-गाजे ध्वज पताका के साथ निकला नयापुरा करैली से आकर्षक चौकियों का रामदल

प्रयागराज। शुक्रवार को राम बारात कमेटी नयापुरा करैली प्रिदर्शिनी नगर प्रयागराज में बाजे-गाजे ध्वज पताका आकर्षक चौकियों संग निकला रामदल।चार दिन के रामलीला कार्यक्रम के पश्चात पांचवे दिन अध्यक्ष कौशल सिंह और महिला मण्डल की अध्यक्ष सीमा कुशवाहा की अगुवाई में भव्य रामदाल निकाला गया। जिसमें पहली बार महिला मण्डल की सैकड़ों महिलाएं रामदल के आगे-आगे शोभा बढा रही थी। ढोल-ताशा, पार्टी बैंड पार्टी, डीजे आकर्षित रोड लाइट और दर्जनों चौकिया निकली गई।भगवान राम और लक्ष्मण की पूजा अर्चना की गई। भगवान को विशाल रथ पर विराजमान कर भक्तों को दर्शन देने के लिए दल को निकाला गया।वही दल के स्वागत में सामाजिक संगठन राष्ट्रीय युवा परिषद की अगुवाई कर रहे अध्यक्ष सनी पासी संगठन के साथियों संग रामदल में चल रहे लोगों का फूल माला पहनाकर स्वागत किया।संचालक कौशल सिंह, सीमा कुशवाहा, रवि केसरवानी, विजय सिंह, प्रमोद भाई, एसपी श्रीवास्तव, विमलेश सोनकर, अगम सिंह, धीरेन्द्र कुशवाहा, मनीष कुशवाहा, सनी पासी, प्रशांत कुशवाहा, राधे मौर्य, अर्पित, अखिलेश मौर्य, गौरव कुशवहा, अनुराग प्रजापति, मोनू कुशवाहा, नीरज साहू, मुन्ना लाल, अविनाश, अनुपम, अखिलेश साहित आदि लोग शामिल रहे । यह जानकारी मीडिया प्रभारी अश्वनी कुमार ने दी।

बच्चों से किया संवाद सेल्फ डिफेंस और हेल्पलाइन नंबर की दी जानकारी

प्रयागराज। मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत आज की कार्ययोजना में शामिल ख्यातिप्राप्त महिलाओं द्वारा विद्यालय का भ्रमण, विद्यालय की बालिकाओं से संवाद व आत्मरक्षा सत्र के संचालक हेतु उच्च प्राथमिक विद्यालय सुजौना जसरा प्रयागराज में लालापुर थाना से सब इंस्पेक्टर खुशबू यादव व सब इंस्पेक्टर कौशलेंद्र प्रताप सिंह का आगमन हुआ।सब इंस्पेक्टर खुशबू यादव ने मिशन शक्ति अभियान के विषय में बताया कि शासन द्वारा महिला सुरक्षा, महिला सम्मान, महिला स्वावलंबन का अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बच्चों को सेल्फ डिफेंस के विषय में जानकारी दिया। बच्चों को विस्तार से सभी हेल्पलाइन नंबर की जानकारी देकर हेल्पलाइन नंबर से संबंधित प्रपत्र भी वितरित किया।बालिकाओं को गुड टच और बैड टच के बारे में भी जानकारी दिया। बालिकाओं से अपनी सफलता की कहानी साझा किया। संवाद सत्र में उन्होंने बालिकाओं के सवालों का जबाब दिया। उन्होंने बालिकाओं को निडर होकर मेहनत से निष्ठापूर्वक पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्यामाकांत द्विवेदी ने विद्यालय में उनका स्वागत एवं अभिनन्दन किया।बच्चों को मिशन शक्ति से संबंधित जानकारी देने के लिए विद्यालय परिवार की तरफ से धन्यवाद दिया।इस अवसर पर विद्यालय के भारतेन्द्र त्रिपाठी, सुनील कुमार शुक्ल, इरफ़ान अहमद, नाज़िया सुल्ताना, जितेन्द्र कुमार शर्मा, आशीष कुमार गुप्ता, शरद कुमार, शिशिर जायसवाल, राकेश कुमार, पूनम तिवारी, पंकज कुमार गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

शिक्षा का मंदिर बना कचरा गाड़ियों का अड्डा, बच्चों के स्वास्थ्य पर मंडरा रहा खतरा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी शहर में आए दिन अजीबोगरीब कारनामे सामने आते रहते हैं। इसी कड़ी में अब नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही एक बार फिर चर्चा का विषय बनी हुई है। शिक्षा का मंदिर कहे जाने वाले स्कूलों का खेल मैदान इन दिनों कचरा ढुलाई करने वाले वाहनों की पार्किंग में तब्दील हो गया है।

गौरतलब हो कि नगर पालिका स्कूल क्रमांक 23, 59, 61 (तेलुगु माध्यम), 36 (हिन्दी माध्यम) और 55 (मराठी माध्यम) पद्मानगर स्कूल के प्ले ग्राउंड पर निजी ठेकेदार के कचरा ढुलाई वाहन खुलेआम खड़े किए जाते हैं। यही नहीं, इन गाड़ियों से उठने वाली दुर्गंध के बीच पहली से सातवीं कक्षा तक के मासूम बच्चे खेलते और पढ़ाई करते हैं,स्थानीय लोगों का कहना है कि इन गाड़ियों से फैलने वाली गंध न केवल बच्चों के स्वास्थ्य के लिए खतरा है, बल्कि यहां पढ़ाने वाले अध्यापकों के लिए भी गंभीर समस्या बन चुकी है। इसके बावजूद नगर पालिका प्रशासन इस मामले को लेकर पूरी तरह मौन है। गौर करने वाली बात यह है कि इसी स्कूल के प्ले ग्राउंड पर प्रभाग समिति क्रमांक तीन का सहायक आयुक्त कार्यालय भी स्थित है। कार्यालय के नजदीक होने के बावजूद संबंधित ठेकेदार पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई है। शहरवासियों और अभिभावकों का कहना है कि शिक्षा का माहौल दूषित करने वाली इस व्यवस्था पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। सवाल यह है कि क्या नगर पालिका बच्चों की सेहत और उनके भविष्य से यूं ही खिलवाड़ करती रहेगी, या फिर इस समस्या का कोई ठोस समाधान निकालकर शिक्षा के मंदिर को उसकी असली पहचान वापस दिलाई जाएगी।

भिवंडी में भ्रष्टाचार का नया ट्रेंड : शाम ढलते ही 'यूट्यूबर पत्रकारों' की पालिका दफ्तरों में भीड़, हर हफ्ते बंटता है हिस्सा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी-निजामपूर शहर महानगर पालिका भ्रष्टाचार का गढ़ बनती जा रही है। प्रशासन जहां झोलाछाप बिल्डरों और डॉक्टरों पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रहा है, वहीं अब भ्रष्ट अधिकारियों ने नया ट्रेंड शुरू कर दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पालिका मुख्यालय से लेकर प्रभाग समिति कार्यालयों तक, शाम ढलते ही दफ्तरों में स्वयंभू यूट्यूबर और 'माहितीबाज' पत्रकारों की भीड़ लगने लगती है। सूत्रों की मानें तो कुछ भ्रष्ट अधिकारी अपनी अवैध कमाई का हिस्सा बांटकर इन लोगों को हफ्ते पर रखते हैं। रकम 200 रुपये से लेकर 2000 रुपये तक बताई जा रही है। सूत्र यह भी दावा करते हैं कि पालिका अधिकारियों के संरक्षण में पल रहे ये तथाकथित पत्रकार न सिर्फ अफसरों के पक्ष में माहौल बनाते हैं बल्कि जरूरत पड़ने पर अधिकारियों के इशारे पर लिखित शिकायत भी दाखिल कर देते हैं। इसके बाद वही अधिकारी उसी शिकायत को आधार बनाकर मोटी वसूली कर लेते हैं।शहर के जागरूक नागरिकों का कहना है कि भ्रष्टाचार की इस गाड़ी को रोकने के लिए पालिका आयुक्त को ठोस कदम उठाने होंगे। नागरिकों ने मांग की है कि जिन अधिकारियों के संरक्षण में यह खेल चल रहा है, उनके खिलाफ कार्रवाई हो। साथ ही, बार-बार शिकायत करने वाले या अधिकारियों के पाले हुए तथाकथित पत्रकारों को भी चिन्हित कर उनके खिलाफ केस दर्ज होना चाहिए।अगर ऐसा नहीं हुआ तो महानगर पालिका में बढ़ता यह भ्रष्टाचार नागरिकों के लिए और बड़ी समस्या बन सकता है।

भिवंडी में ज्वेलर्स शॉप से मंगलसूत्र चोरी

दो रहस्यमयी महिलाओं की तलाश में पुलिस

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी।भिवंडी तालुका के कशेली-काल्हेर गांव में ज्वेलर्स शॉप से कीमती मंगलसूत्र चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने दो संदिग्ध महिलाओं पर शक जताते हुए अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार साईं नक्षत्र अपार्टमेंट में स्थित श्री ज्वेलर्स की दुकान से चोरी की यह वारदात 14 सितंबर की शाम हुई। शिकायतकर्ता आनंद छगनलाल सुथार उर्फ सोनार ने बताया कि उस वक्त उनकी बेटी दुकान में मौजूद थी। तभी दो महिलाएं ग्राहक बनकर दुकान पर पहुंचीं और जेवर देखने का बहाना किया। बातचीत के दौरान मौका पाकर उन्होंने एक मंगलसूत्र पर हाथ साफ कर दिया। हैरानी की बात यह रही कि चोरी का खुलासा उसी समय नहीं हो सका। 25 सितंबर को जब दुकान का स्टॉक मिलान किया गया, तब मंगलसूत्र गायब होने की जानकारी मिली। इसके बाद तुरंत नारपोली पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।शिकायत में दर्ज विवरण के मुताबिक, पहली महिला की उम्र 35 से 40 वर्ष बताई गई है, जिसने हरे रंग का पंजाबी ड्रेस पहना था। दूसरी महिला करीब 50 से 55 वर्ष की थी, जिसने सफेद साड़ी और लाल ब्लाउज पहन रखा था। दोनों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपित महिलाओं को पकड़ लिया जाएगा।इस घटना के बाद भिवंडी के सर्राफा व्यापारियों में चिंता का माहौल है। उनका कहना है कि भीड़भाड़ वाले इलाके में इस तरह की घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं। व्यापारियों ने इलाके में गश्त और निगरानी बढ़ाने की मांग की है।

लाखों की बिजली चोरी का मामला दर्ज, आरोपी फरार

भिवंडी। भिवंडी के शांतिनगर पुलिस स्टेशन में लाखों रुपये की बिजली चोरी का मामला सामने आया है। टॉरेंट पावर कंपनी की शिकायत पर पुलिस ने अल्ताफ मोहम्मद युनूस मोमिन नामक व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है,पुलिस के अनुसार आरोपी ने 31 मई 2024 से 30 मई 2025 के बीच भिवंडी के खड़क रोड, कोटरगेट स्थित अपने फ्लैट में बिजली का अवैध इस्तेमाल किया। आरोपी ने पास के मिनी सबस्टेशन से दो काले रंग की केबल जोड़कर बिजली मीटर को बाईपास कर लिया था। पुलिस के मुताबिक इस तरह करीब 5 लाख 01 हजार 735 रुपये 57 पैसे की बिजली चोरी की गई। शिकायत टॉरेंट पावर कंपनी के उप-महाप्रबंधक अनीश सतीश कुलकर्णी ने दर्ज कराई।शांतिनगर पुलिस ने विज अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है और उसकी तलाश जारी है।

धामणकर नाका मित्र मंडल गणेशोत्सव मंडल का गौरव, जिले में पहला स्थान

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। राज्य सरकार के सांस्कृतिक विभाग की ओर से आयोजित गणेशोत्सव प्रतियोगिता में भिवंडी का धामणकर नाका मित्र मंडल, स्वाभिमान सेवा संस्था द्वारा आयोजित सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल ने इस साल भी अपना परचम लहराया है। मंडल ने जिले में प्रथम स्थान हासिल कर बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। मुंबई में आयोजित भव्य कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्य मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार और कौशल विकास मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा के हाथों मंडल के अध्यक्ष संतोष शेट्टी को सम्मानपत्र और 50 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि भेंट की गई। खास बात यह है कि मंडल ने यह सम्मान लगातार दूसरे वर्ष अपने नाम किया है।धामणकर नाका मित्र मंडल गणेशोत्सव को केवल धार्मिक उत्सव तक सीमित न रखते हुए सामाजिक कार्यों के माध्यम से जनता के लिए कई गतिविधियां आयोजित करता है। इस वर्ष मंडल की ओर से रक्तदान, नेत्र चिकित्सा शिविर, विद्यार्थियों के लिए शस्त्र प्रदर्शन, सामूहिक खेल प्रतियोगिताएं, शतरंज प्रतियोगिता और पारंपरिक भजन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।अध्यक्ष संतोष शेट्टी ने बताया कि प्रथम पुरस्कार के रूप में मिली 50 हजार रुपये की राशि में मंडल की ओर से अतिरिक्त 50 हजार रुपये जोड़कर कुल एक लाख रुपये का निधि ओला दुष्कालग्रस्तों की मदद के लिए मुख्यमंत्री सहायता निधि में जमा किया जाएगा। इस अवसर पर मंडल के पदाधिकारी हसमुख पटेल, राजेश शेट्टी, राकेश पटवारी, प्रशांत पुजारी, ईश्वर पामु, राम बुरा, दिनेश शेट्टी, सतीश सुंकी, मुन्ना शेट्टी, अभिजित म्हसकर, मनीष मिश्रा और सागर कानकुटला आदि मौजूद रहे।

नमुम्पा ईटीसी सेंटर की मदद से सात महीने के बच्चे की कॉक्लर इम्प्लांट सर्जरी सफल रही

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई नगर निगम का ईटीसी दिव्यांग शिक्षा, प्रशिक्षण एवं सेवा सुविधा केंद्र सभी प्रकार की विकलांगता वाले बच्चों को शिक्षा, प्रशिक्षण और विभिन्न सेवाएँ प्रदान करता है। ईटीसी सेंटर ने सभी प्रकार की विकलांगता वाले बच्चों और वयस्कों की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए उनके लिए विभिन्न योजनाएँ तैयार की हैं। इसमें एकमात्र मुख्य शर्त यह है कि लाभार्थी नवी मुंबई का दिव्यांग निवासी हो। इसके अलावा, दिव्यांग बच्चे और वयस्क कुछ अन्य सामान्य नियमों और शर्तों को पूरा करके इसका लाभ उठा सकते हैं।

इन योजनाओं में से एक है कॉक्लर इम्प्लांट सर्जरी। पूरी तरह से बहरे बच्चे भी कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी के ज़रिए कम उम्र में ही सुन सकते हैं। यह सर्जरी बहुत जटिल होती है और इसकी लागत भी ज़्यादा होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए, ईटीसी सेंटर द्वारा दिव्यांगों के लिए लागू की गई प्रमुख योजनाओं में से एक कॉक्लियर इम्प्लांट है। इस योजना के तहत 3,50,000 रुपये से लेकर 5 लाख रुपये तक की राशि प्रदान की जाती है। बधिरों को कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी या सीआई प्रोसेसर के लिए 5,50,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के लाभ से, मात्र सात महीने के वल्लभ हांडे की कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी सफल रही और वल्लभ दुनिया के सबसे कम उम्र के शिशुओं में से एक बन गए, जिनकी कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी हुई।

नवी मुंबई निवासी श्री दिलीप हांडे ने देखा कि उनका छोटा बेटा वल्लभ बहरा है और उन्होंने तुरंत उसका इलाज शुरू कर दिया। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में सभी परीक्षणों के बाद, यह स्पष्ट हो गया कि वल्लभ स्वाभाविक रूप से सुन नहीं पाएगा। इसलिए, हांडे परिवार ने वल्लभ की कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी कराने के विकल्प पर विचार किया। हालाँकि, वे इस सर्जरी की लागत को लेकर झिझक रहे थे क्योंकि यह बहुत महंगी और जटिल थी।

इसलिए, जब वे इस संबंध में जानकारी प्राप्त करने के लिए एनएमयू ईटीसी केंद्र आए, तो ईटीसी केंद्र के बधिर विभाग के एवीटी थेरेपिस्ट और बधिर विभाग के शैक्षणिक प्रभारी व्यवस्था पाक श्रीम ने उन्हें बताया कि वल्लभ स्वाभाविक रूप से सुन नहीं पाएँगे। विद्या कदम ने उन्हें इस सर्जरी के महत्व और सर्जरी से पहले व बाद में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने सर्जरी की पूरी जानकारी दी और परिवार को सर्जरी के लिए मानसिक रूप से तैयार किया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सर्जरी के बाद वल्लभ ठीक से सुन सकेंगे। इसके साथ ही, ईटीसी केंद्र के योजना विभाग की सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती सुमित्रा गायकवाड़ ने इस योजना का लाभ उठाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी और उन्हें पूरा करने के लिए पूरा मार्गदर्शन प्रदान किया। तदनुसार, वल्लभ की सर्जरी 23 अगस्त 2025 को की गई। इस दौरान, ईटीसी केंद्र के एवीटी थेरेपिस्ट सर्जरी के दौरान ऑपरेशन थियेटर में मौजूद थे। साथ ही, सर्जरी पूरी होने के बाद, ईटीसी केंद्र की निदेशक डॉ. अनुराधा बाबर, सामाजिक कार्यकर्ता सुमित्रा गायकवाड़, केंद्र अधीक्षक श्रीमती मनीषा पवार सभी ने माता-पिता से मुलाकात की और उनका मनोबल बढ़ाया। इसके बाद, 16 सितंबर 2025 को वल्लभ का कॉक्लियर इम्प्लांट चालू कर दिया गया। यह जाँचने के बाद कि वल्लभ अब दोनों कानों से सुन सकता है, डॉक्टरों ने घोषणा की कि इस नन्हे बच्चे की सर्जरी सफल रही।

श्री दिलीप हांडे ने यह जानकर प्रसन्नता व्यक्त की कि सर्जरी के बाद उनका बेटा सुन सकता है। ईटीसी केंद्र द्वारा सभी दस्तावेज़ कुशलतापूर्वक पूरे किए गए। उन्होंने समय-समय पर हमसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर हमारे परिवार का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने ईटीसी टीम को इस योजना के माध्यम से वल्लभ की सर्जरी के लिए धन की व्यवस्था करने में सक्षम बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

ईटीसी केंद्र निदेशक डॉ. अनुराधा बाबर ने कहा कि ईटीसी केंद्र दिव्यांगों को उनकी विकलांगता पर विजय पाने और उन्हें सामान्य जीवन प्रदान करने के लिए शिक्षा, प्रशिक्षण, उपचार सुविधाओं और योजनाओं सहित सभी प्रकार से मदद करने में हमेशा आगे रहता है।

कुत्ते के शौच को लेकर शुरू हुआ विवाद, युवक पर जानलेवा हमला

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी शहर के नागाव गायत्री नगर क्षेत्र में कुत्ते के शौच को लेकर हुआ विवाद मारपीट और जानलेवा हमले में बदल गया। इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है,शांतिनगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता दया सुरेश चौहान ने बताया कि घटना 25 सितंबर को दोपहर करीब साढ़े 11 बजे की है। चौहान के पाले गए कुत्ते ने गली में गंदगी कर दी थी। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। मामला जल्द ही गाली-गलौज और हाथापाई तक पहुँच गया। आरोप है कि ओमप्रकाश ने शिकायतकर्ता को पकड़कर पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान उसकी पत्नी प्रियंका और भाई सूर्यप्रताप उर्फ सुमित ने भी मारपीट में साथ दिया। प्रियंका पर आरोप है कि उसने शिकायतकर्ता का मोबाइल छीनकर वीडियो डिलीट करने की कोशिश की और शिकायतकर्ता की बहन को थप्पड़ मारा। वहीं सुमित ने भी शिकायतकर्ता को पकड़कर जमकर पिटाई की। इस हमले में चौहान को गंभीर चोटें आईं। घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर घायल को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने ओमप्रकाश राव, प्रियंका राव और सूर्यप्रताप उर्फ सुमित राव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।शांतिनगर पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भिवंडी में चोरों का आतंक, बुजुर्ग महिला से चैन स्नैचिंग और घरफोड़ी की वारदात

भिवंडी। भिवंडी शहर में आपराधिक घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। एक ओर बुजुर्ग महिला को निशाना बनाकर बदमाशों ने सोने की चैन छीनी, वहीं दूसरी ओर घरफोड़ी कर लाखों का सामान ले उड़े। पहला मामला भिवंडी शहर पोलीस स्टेशन क्षेत्र कल्याण का है। शिकायतकर्ता ललिता नारायण देवाडींगा (62) गोरे हॉस्पिटल के पास वर्षा अपार्टमेंट, कल्याण नाका में रहती हैं। बीते 24 सितंबर की रात करीब 10 बजे जब वे बिल्डिंग के गेट से घर की ओर लौट रही थीं, तभी एक अज्ञात बदमाश ने पीछे से झपट्टा मारकर उनके गले से 25 ग्राम वजन की सोने की चैन छीन ली और भाग निकला। इस घटना में बुजुर्ग महिला घबराकर गिर पड़ीं। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। दूसरा मामला नारपोली थाना क्षेत्र कशेली गांव का है। शिकायतकर्ता प्रतिभा प्रमोद पाटील कशेली टोल नाका के पास एक सोसाइटी में रहती हैं। 15 सितंबर की दोपहर से 22 सितंबर की सुबह के बीच अज्ञात चोरों ने उनके सिनीक्लेव्ह अपार्टमेंट स्थित घर का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया। चोर घर से कीमती सामान और नकदी कुल 7 लाख के मुद्देमाल चोरी कर ले गे। नारपोली पुलिस ने इस मामले में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी पाँच जोड़ी त्योहार स्पेशल ट्रेनें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस-सांगानेर, इंदौर-खड़की, इंदौर-हजरत निजामुद्दीन, साबरमती-पटना और राजकोट-बरौनी स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1.ट्रेन संख्या 09023/09024 बांद्रा टर्मिनस - सांगानेर सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल (18 फेरे)

ट्रेन संख्या 09023 बांद्रा टर्मिनस-सांगानेर सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को बांद्रा टर्मिनस से 16:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12:30 बजे सांगानेर पहुँचेगी। यह ट्रेन 2 अक्टूबर से 27 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09024 सांगानेर-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को सांगानेर से 16:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11:15 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 03 अक्टूबर से 28 नवंबर 2025 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, चौमहला, शामगढ़, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा और सवाई माधोपुर स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर और एसी 3 टियर (इकोनॉमी) कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09427/09428 साबरमती - पटना साप्ताहिक स्पेशल (18 फेरे)

ट्रेन संख्या 09427 साबरमती-पटना स्पेशल प्रत्येक बुधवार को साबरमती से 18:10 बजे प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 01:00 बजे पटना पहुँचेगी। यह ट्रेन 01 अक्टूबर से 26 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09428 पटना-साबरमती स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को पटना से 04:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:55 बजे साबरमती पहुँचेगी। यह ट्रेन 03 अक्टूबर से 28 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, मारवाड़, अजमेर, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, दौसा, भरतपुर, अछनेरा, ईदगाह आगरा, टूंडला, इटावा, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., मिर्ज़ापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में AC-3 टियर कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09324/09323 इंदौर-खड़की साप्ताहिक स्पेशल (18 फेरे)

ट्रेन संख्या 09324 इंदौर-खड़की साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक बुधवार को 11:15 बजे इंदौर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 03:10 बजे खड़की पहुंचेगी। यह ट्रेन 1 अक्टूबर से 26 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09323 खड़की-इंदौर साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक गुरुवार 05:10 बजे खड़की से प्रस्थान करेगी और उसी दिन 23:55 बजे इंदौर पहुँचेगी। यह ट्रेन 2 अक्टूबर से 27 नवंबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में देवास, उज्जैन, नागदा, रतलाम, गोधरा, वडोदरा, सूरत, वलसाड, वापी, वसई रोड, कल्याण और लोनावला स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर और एसी-3 टियर कोच होंगे।

4. ट्रेन संख्या 09309/09310 इंदौर-हज़रत निज़ामुद्दीन द्वि-साप्ताहिक सुपरफ़ास्ट स्पेशल (36 फेरे)

ट्रेन संख्या 09309 इंदौर - हज़रत निज़ामुद्दीन सुपरफ़ास्ट स्पेशल इंदौर से प्रत्येक शुक्रवार और रविवार को 17:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:00 बजे हज़रत निज़ामुद्दीन पहुँचेगी। यह ट्रेन 03 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09310 हज़रत निज़ामुद्दीन- इंदौर सुपरफ़ास्ट स्पेशल हज़रत निज़ामुद्दीन से प्रत्येक शनिवार और सोमवार को 08:20 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 21:00 बजे इंदौर पहुँचेगी। यह ट्रेन 04 अक्टूबर से 01 दिसंबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में देवास, उज्जैन, नागदा, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी और मथुरा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी-2 टियर और एसी-3 टियर कोच होंगे। 5. ट्रेन संख्या 09569/09570 राजकोट-बरौनी साप्ताहिक स्पेशल (18 फेरे) ।ट्रेन संख्या 09569 राजकोट-बरौनी साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को राजकोट से 17:00 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को 05:00 बजे बरौनी पहुँचेगी। यह ट्रेन 2 अक्टूबर से 27 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09570 बरौनी-राजकोट साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक शनिवार को बरौनी से 14:40 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को 04:40 बजे राजकोट पहुँचेगी। यह ट्रेन 04 अक्टूबर से 29 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वाकानेर, सुरेंद्रनगर, चांदलोडिया बी केबिन, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, भरतपुर, ईदगाह आगरा, टूंडला, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में AC-2 टियर और AC-3 टियर कोच होंगे।

मोहम्मद कैफ ने जसप्रीत बुमराह की आलोचना का दिया जवाब

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने मौजूदा एशिया कप में पावरप्ले के दौरान गेंदबाजी के दौरान जसप्रीत बुमराह की क्रिकेट संबंधी टिप्पणी की आलोचना का जवाब दिया। कैफ ने स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी केवल एक शुभचिंतक और प्रशंसक की क्रिकेट संबंधी टिप्पणी थी और उन्होंने बुमराह के भारत के सबसे बड़े मैच विजेता होने के महत्व पर जोर दिया।

कैफ ने बुमराह की आलोचना का शांतिपूर्वक जवाब दिया और अपनी टिप्पणी को 'एक शुभचिंतक और प्रशंसक की क्रिकेट संबंधी टिप्पणी' बताया। कैफ ने एक पोस्ट में लिखा, 'कृपया इसे एक शुभचिंतक और प्रशंसक की क्रिकेट संबंधी टिप्पणी के रूप में लें। आप भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े मैच विजेता हैं और मुझे पता है कि भारत के रंग में मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए क्या करना पड़ता है।'

यह कैफ द्वारा एक्स पर लिखे गए उस लेख के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि रोहित शर्मा की कप्तानी में बुमराह पावरप्ले के दौरान एक ओवर, बीच के ओवरों में एक और डेथ ओवरों में दो ओवर फेंकते थे। उन्होंने यह भी बताया कि बुमराह चोट से बचने के लिए तब गेंदबाजी करना पसंद करते हैं जब उनका शरीर गर्म हो चुका हो और कैसे पावरप्ले के बाद बुमराह का एक ओवर बड़ी टीमों के खिलाफ 'भारत को नुकसान' पहुंचा सकता है। उन्होंने कहा था, 'रोहित की कप्तानी में बुमराह आमतौर पर 1, 13, 17, 19 ओवर फेंकते थे। सूर्या की कप्तानी में एशिया कप में उन्होंने शुरुआत में तीन ओवर फेंके। चोट से बचने के लिए बुमराह इन दिनों तब गेंदबाजी करना पसंद करते हैं जब उनका शरीर गर्म हो चुका हो। बचे हुए 14 ओवरों में बुमराह का एक ओवर बल्लेबाजों के लिए बड़ी राहत है। विश्व कप में मजबूत टीमों के खिलाफ इससे भारत को नुकसान हो सकता है।'

इस पर बुमराह ने जवाब दिया, 'गलत, पहले गलत, फिर से गलत।' रोहित की कप्तानी में बुमराह पावरप्ले में ज़्यादा से ज़्यादा दो ओवर ही फेंक पाते थे और बीच के ओवरों में भी उन्हें विकेट लेने के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। डेथ ओवरों में उन्हें ज्यादातर दो ओवर ही मिलते थे। हालांकि इस टूर्नामेंट में सूर्यकुमार यादव ने उन्हें पावरप्ले में तीन ओवर फेंकने का मौका दिया है, जिससे डेथ ओवरों में उनके पास सिर्फ एक ओवर ही बचता है।

शोएब अख्तर ने एशिया कप फाइनल से पहले पाकिस्तान टीम को दिया जीत का फॉर्मूला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एशिया कप 2025 का महामुकाबला तय हो चुका है। भारत और पाकिस्तान तीसरी बार आमने-सामने होंगे, लेकिन इस बार दांव कहीं ज्यादा बड़ा है ट्रॉफी का। भारत दोनों पिछली भिड़ंत में बाज़ी मार चुका है, जबकि पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर शानदार अंदाज़ में फाइनल का टिकट कटाया। ऐसे माहौल में पाकिस्तान के दिग्गज तेज़ गेंदबाज शोएब अख्तर ने अपनी टीम को खास सलाह दी है। रावलपिंडी एक्सप्रेस शोएब अख्तर ने 'गेम ऑन है' शो में कहा कि पाकिस्तान को मानसिकता बदलनी होगी। अख्तर का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा पाकिस्तानी टीम पर असर डालता है और इसे तोड़ना ही सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा, 'इस मानसिकता से बाहर निकलो, उनके आभामंडल को किनारे रखो। बस उनके आभामंडल को तोड़ दो। वही रवैया अपनाओ जो बांग्लादेश के खिलाफ दिखाया था। तुम्हें 20 ओवर बस निकालने नहीं हैं, तुम्हें विकेट लेने हैं।' रणनीति के तौर पर अख्तर ने साफ कहा कि पाकिस्तान को भारत के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा पर फोकस करना होगा। अख्तर के मुताबिक अभिषेक को जल्दी आउट कर दिया गया तो भारत दबाव में आ जाएगा और पाकिस्तानी गेंदबाजों के लिए मौके खुलेंगे। उन्होंने कहा, 'मेरी बात याद रखना, अगर अभिषेक शर्मा पहले दो ओवरों में आउट हो गए तो भारत मुश्किल में पड़ जाएगा। उन्हें शुरुआती बढ़त वही देता है। हां, वह गलत टाइमिंग करेंगे, बस आपको पूरा दम लगाना होगा।'

गंभीर के अनुभव साझा करते हुए अख्तर ने कहा, 'मैं गौतम गंभीर को जानता हूं। वह अपनी टीम से हमेशा कहते हैं, पाकिस्तान के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ दो। पाकिस्तान चाहे लीग स्टेज में ढीला खेले, लेकिन जैसे ही फाइनल आता है, वो सबसे अच्छा क्रिकेट खेलता है। हमारे साथ पहले भी ऐसा कई बार हुआ है।'

भारत फाइनल में बड़े दावेदार के तौर पर उतर रहा है, लेकिन पाकिस्तान की जीत के लिए शाहीन अफरीदी की गेंदबाजी और बल्लेबाज़ी के साथ टीम की आत्मविश्वास भरी मानसिकता अहम होगी। शोएब अख्तर के संदेश ने साफ कर दिया है कि यह मैच सिर्फ कौशल नहीं, बल्कि दिमाग और हिम्मत का भी इम्तिहान होगा।

एशिया कप फाइल : सूर्यकुमार पर बड़ा एक्शन आईसीसी ने फाइनल से पहले की कार्रवाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले के लिए आचार संहिता उल्लंघन का दोषी पाया गया है। दरअसल 14 सितम्बर को खेले मैच के बाद एक बयान में उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य झड़प का हवाला दिया था।

आईसीसी की आचार संहिता के मुताबिक क्रिकेट से इतर राजनीतिक या संवेदनशील मुद्दों को जोड़कर टिप्पणी करना नियमों के खिलाफ माना जाता है। पाकिस्तान ने सूर्यकुमार के खिलाफ आईसीसी में राजनीतिक टिप्पणी करने का मामला दर्ज कराया था। सूर्यकुमार ने 14 सितंबर को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर अपनी टीम की जीत को पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित किया था। पहलगाम पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए टॉस के समय और मैच के बाद भारत द्वारा पाकिस्तानी खिलाड़ियों से पारंपरिक हाथ मिलाने से इनकार करने के बाद से दोनों पक्षों के बीच तनाव चरम पर है।

मैच रेफरी ने जांच के बाद सूर्यकुमार यादव पर उनकी मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया। हालांकि यह एक लेवल-1 अपराध माना गया है, इसलिए किसी तरह का बैन या निलंबन नहीं लगाया गया। भारतीय कप्तान की सुनवाई आईसीसी मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने की। सूर्यकुमार ने आरोप हालांकि से इनकार किया और उन्हें टूर्नामेंट के बाकी मैचों में ऐसा कोई बयान नहीं देने को कहा गया जिसे राजनीतिक माना जा सके। आईसीसी की आचार संहिता खिलाड़ियों को मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह ऐसी टिप्पणियों से बचने की सलाह देती है, जो किसी राष्ट्र, धर्म या राजनीतिक विवाद को छूती हों। सूर्यकुमार यादव ने फैसले को स्वीकार कर लिया है इसलिए अब किसी औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं होगी।

चाइना ओपन में कोको गॉफ की विजयी शुरुआत रूस की राखिमोवा को सीधे सेटों में हराया

बीजिंग **(एजेंसी)**। अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने शुक्रवार को रूस की कामिला राखिमोवा को सीधे सेटों में हराकर चाइना ओपन में अपने खिताब के बचाव के अभियान की शुरुआत की। आज यहां खेले गये मुकाबले में गॉफ ने राखिमोवा को 6-4, 6-0 से हराया। 21 वर्षीय अमेरिकी टेनिस स्टार के लिए पहले सेट में युवा खिलाड़ी के खिलाफ शुरुआत थोड़ी मुश्किल रही, क्योंकि उन्हें चार ब्रेक पॉइंट का सामना करना पड़ा।

दूसरे सेट की शुरुआत में कुछ और ब्रेक पॉइंट बचाने के बाद, उन्होंने पहले दौर का मुकाबला मात्र 44 मिनट में जीत लिया। मैच के बाद गॉफ ने कहा, 'मुझे उम्मीद थी कि मुकाबला कांटे का होगा। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और पिछले कुछ टूर्नामेंटों में उन्होंने शीर्ष खिलाड़ियों के साथ कड़ी टक्कर दी है। मैंने अपनी लय पकड़ ली और लय में आ गई। कोई भी पहला राउंड हारना नहीं चाहता, इसलिए मुझे लगता है कि मैं थोड़ी तनाव में थी, लेकिन मैं खुद को संभालने में कामयाब रही और मुझे लगता है कि इसका असर मेरे स्कोर पर दिखा।' गॉफ का अगला मुकाबला कनाडा की विश्व नंबर 25 खिलाड़ी लेयला फर्नांडीज़ से होगा, जिन्होंने मारिया सक्कारी को 6-2, 6-0 से हराया।

अतिरिक्त एजीआर मांग को रद्द करने की वोडाफोन आइडिया की याचिका पर सुनवाई स्थगित

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को दूरसंचार सेवा प्रदाता वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) की याचिका पर सुनवाई छह अक्टूबर तक टाल दी। इस याचिका में 2016-17 तक की अवधि के लिए अतिरिक्त समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) से जुड़ी मांगों को रद्द करने का अनुरोध किया गया है। प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की पीठ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अनुरोध किया कि शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध की गई याचिका को दशहरा अवकाश के बाद अदालतें खुलने पर सूचीबद्ध किया जाए। पीठ ने इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए सुनवाई छह अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी।

वीआईएल ने दूरसंचार विभाग की तरफ से वित्त वर्ष 2016-17 से संबंधित 5, 606 करोड़ रुपए की मांग के खिलाफ नई याचिका दायर की है। इससे पहले केंद्र ने कहा था कि कंपनी के साथ समाधान निकालने के प्रयास जारी हैं। केंद्र सरकार के विधि अधिकारी ने कहा कि सरकार के पास वोडाफोन आइडिया में करीब 50 प्रतिशत शेयर हैं जिससे वह इस कंपनी के वजूद में बने रहने से प्रत्यक्ष जुड़ाव रखती है।

विधि अधिकारी ने पीठ से कहा, ''आपके अनुमोदन के अधीन कुछ समाधान निकाला जा सकता है। अगर इसे अगले सप्ताह सूचीबद्ध किया जाए तो हमें कोई समाधान निकालने का समय मिल जाएगा।'' इस साल की शुरुआत में भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया जैसी दूरसंचार कंपनियों को झटका देते हुए शीर्ष अदालत ने अपने 2021 के आदेश की समीक्षा करने से इनकार कर दिया था। साथ ही इसमें उनके द्वारा देय एजीआर बकाया की गणना में कथित त्रुटियों को सुधारने की उनकी याचिकाओं को भी खारिज कर दिया गया था।

अपराध और न्याय की गूढ़ कहानी, करीना कपूर ने मेघना गुलजार की 'दायरा' की शूटिंग की शुरू

करीना कपूर खान को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में आए 25 साल हो गए हैं। उन्होंने अपने करियर में तमाम सुपरहिट फिल्में दी है। एक्ट्रेस का नाम सुपरहिट सितारों में गिना जाता है। हाल ही में करीना कपूर फिल्म क्रू में नजर आयी थी। अब उन्होंने अपनी नयी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर ने निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म दायरा की शूटिंग शुरू कर दी। फिल्म में करीना पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ नजर आएंगी। यह उनके करियर की 68वीं फिल्म है।

इंस्टाग्राम पर करीना ने सेट की कई सारी वीडियो साझा करते हुए लिखा पहला दिन, 68वीं फिल्म। अद्भुत मेघना गुलजार और वास्तविक पृथ्वी के साथ 'दायरा'.. प्यार और शुभकामनाएं।'' ''राजी'', ''तलवार'', ''छपाक'' और ''सैम बहादुर'' जैसी हिट फिल्में देने वाली मेघना ने भी अपने इंस्टाग्राम पेज पर यह खबर साझा की और लिखा एक धुंधला और कटी-फटी रेखाओं का सफर... हमने आगाज कर दिया है।'' दायरा एक अपराध और रोमांचक पृष्ठभूमि पर लिखी गयी फिल्म है जिसमें अपराध, दण्ड एवं न्याय से जुड़े सदियों पुराने विरोधाभास को उजागर किया गया है। इसमें वर्तमान समय की सच्चाइयों को समेटते हुए लोगों के मर्म को छूने का प्रयास किया गया है।

इससे पहले करीना को तब्बू और कृति सैनन के साथ 2024 में आई फिल्म क्रू तथा रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में अजय देवगन के साथ देखा गया था।सुकुमारन 2025 में फिल्म एल 2: एमपूरान और सरजमीं में काजोल और इब्राहिम अली खान के साथ नजर आए थे। पृथ्वीराज सुकुमारन और दुलकर सलमान के घरों पर हाल ही में सितंबर 2025 में सीमा शुल्क और केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग ने छापेमारी की थी। लक्ज़री कारों पर कर चोरी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई के तहत, राजस्व खुफिया निदेशालय और सीमा शुल्क के अधिकारियों ने 'नुमखोर' कोडनाम से एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया।

यह छापेमारी लग्ज़री कारों के स्वामित्व को लक्षित कर रही थी, और संभावित कर चोरी के लिए दस्तावेजों की जाँच की जा रही थी। दोनों अभिनेता ऐसी गाड़ियों के स्वामित्व के कारण इस मामले में उलझे हुए हैं। अधिकारियों ने कहा कि उनके वाहनों के दस्तावेजों की जाँच की जाएगी और किसी भी अवैध गतिविधि के बारे में उनकी जानकारी का पता लगाने के लिए उनके बयान दर्ज किए जाएँगे। करीना कपूर खान ने पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ मेघना गुलज़ार की फ़िल्म 'दायरा' के पहले दिन की एक झलक दिखाई। अपने 25 साल के करियर में, 'दायरा' करीना कपूर खान की 68वीं फ़िल्म है।

एशिया कप : साहिबजादा फरहान को आईसीसी ने दी चेतावनी, भारत के खिलाफ गलत तरीके से मनाया जश्न

दुबई **(एजेंसी)**। भारत के खिलाफ एशिया कप मैच के दौरान साहिबजादा फरहान को गोली चलाने का इशारा करके जश्न मनाने के लिए चेतावनी दी गई है। न्यूज एजेंसी ने टूर्नामेंट के गोपनीय सूत्र के हवाले से कहा, 'मैच रैफरी रिची रिचर्डसन ने शुक्रवार दोपहर टीम होटल में अपनी सुनवाई पूरी की। इसमें हारिस रऊफ पर आक्रामक व्यवहार के लिए उनकी मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और फरहान को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया।'

टूर्नामेंट के सूत्रों के अनुसार रऊफ और फरहान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की सुनवाई में भारत के खिलाफ मैच के दौरान भड़काऊ भाव भंगिमा के लिए खुद को निर्दोष बताया। यह सुनवाई मैच रैफरी रिची रिचर्डसन द्वारा यहां पाकिस्तान टीम के होटल में की गई। दोनों खिलाड़ी लिखित में दिए गए जवाबों के बावजूद व्यक्तिगत रूप से उनके सामने पेश हुए। उनके साथ टीम मैनेजर नवीद अकरम चीमा भी थे।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को एक आधिकारिक शिकायत में दोनों खिलाड़ियों पर भड़काऊ इशारे करने का आरोप लगाया है। दोनों टीमें रविवार को एशिया कप फाइनल में आमने सामने होंगी। रऊफ ने गिरते हुए विमानों का इशारा करके स्टैंड में बैठे भारतीय प्रशंसकों का मजाक उड़ाया था, वहीं फरहान के मैच में अर्धशतक लगाने के बाद मनाए गए जश्न को भी भारतीय टीम ने आपत्तिजनक माना था।

दिलजीत दोसांझ, इम्तियाज अली ने 'अमर सिंह चमकीला' को इंटरनेशनल एमी के लिए नामित होने पर खुशी जतायी

नई दिल्ली। वह समय फिर आ गया है, जब दिलजीत दोसांझ मंच पर चढ़ेंगे और एक बार फिर कहेंगे - 'पंजाबी आ गए ओए!' और इस बार, वह इसे दो बार कह सकते हैं, क्योंकि दिलजीत दोसांझ और उनकी सीरीज़ 'अमर सिंह चमकीला' को 53वें अंतर्राष्ट्रीय एमी पुरस्कारों के लिए नामांकित किया गया है। यह समारोह 24 नवंबर, 2025 को न्यूयॉर्क में होगा। दिवंगत गायक अमर सिंह चमकीला के जीवन पर आधारित दिलजीत और उनकी सीरीज़ को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और टीवी मूवी/मिनी-सीरीज़ श्रेणियों में नामांकित किया गया है। इस खबर से इंडस्ट्री और प्रशंसकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। 'चमकीला' में दिलजीत दोसांझ की मुख्य भूमिका वाली परिणीति चोपड़ा ने भी टीम को बधाई दी है।

फिल्म निर्देशक इम्तियाज अली और अभिनेता-संगीतकार दिलजीत दोसांझ ने अपनी फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' को दो अंतरराष्ट्रीय एमी के लिए नामित किए जाने पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे पंजाब और उसके कलाकारों का सम्मान बताया है। पंजाबी संगीतकार दिवंगत अमर सिंह चमकीला के जीवन पर आधारित यह कहानी नेटफ्लिक्स पर प्रसारित की गई और इसे टीवी फिल्म /मिनी- वेब सीरीज़ की श्रेणी में नामित किया गया है वहीं दोसांझ को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता श्रेणी में नामित किया गया है। 'इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविजन आट्‌र्स एंड साइंसेज' ने बृहस्पतिवार रात न्यूयॉर्क में दोनों नामांकनों की घोषणा की।

निर्देशक अली ने एक बयान में कहा, ''पंजाब की धरती की खुशबू से जुड़े होने के वजह से 'अमर सिंह चमकीला' एक अलग तरह की फिल्म है।'' अली ने कहा, ''संघर्ष से कला निखरकर सामने आती है, यह तथ्य इस फिल्म में अमर सिंह चमकीला के जीवन के माध्यम से सामने लाया गया है। हम सभी बहुत खुश हैं कि हम ऐसे अनोखे व्यक्ति की कहानी को सामने ला सके।'' न्यूयॉर्क शहर में 24 नवंबर को आयोजित होने वाले 53वें अंतरराष्ट्रीय एमी पुरस्कार समारोह के लिए फिल्म नामित हुई है।

दोसांझ को चमकीला की भूमिका के लिए व्यापक प्रशंसा मिली है। चमकीला की 1988 में अपनी पत्नी अमरजोत के साथ गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस समय वह 27 वर्ष के थे। दोसांझ ने कहा कि यह सम्मान दिवंगत संगीतकार को श्रद्धांजलि है। दोसांझ (41) ने कहा, ''मैं सचमुच गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं कि पंजाब के एक कलाकार को अंतरराष्ट्रीय एमी जैसे प्रतिष्ठित मंच पर वैश्विक स्तर पर पहचाना और सराहा जा रहा है। मैं इम्तियाज़ अली सर का आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इस भूमिका के लिए चुना।'' 'अमर सिंह चमकीला' में परिणीति चोपड़ा ने भी भूमिका निभाई है।

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे
मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008।

कार्य - मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करना।

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVTM25-28	13-10-25 14:00:00

अ. क्र.	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	**MSS-BCT-MMCT-MedStn-83-25-1** (Misc-Static-Services - Medical facilities at station)	मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के माध्यम से 5 वर्षों की अवधि के लिए चौबीसों घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना।	1826	13-10-25 14:30:00
2	**MSS-BCT-NDB-MedStn-84-25-1** (Misc-Static-Services - Medical facilities at station)	नंदुरबार रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के माध्यम से 2 वर्षों की अवधि के लिए चौबीसों घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना	730	13-10-25 14:40:00

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-40	13-10-25 15:00:00

अ. क्र.	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	**ADVT-BCT-BA-OH-412-25-2** (Advertising - Out of Home)	बांद्रा पश्चिम रेलवे कॉलोनी की चारदीवारी के पश्चिम की ओर 480 वर्ग फीट के प्रदर्शन क्षेत्र के साथ 10 फीट ऊंचाई x 6 फीट चौड़ाई के 05 नए एलसीडी/एलईडी यूनिपोल संरचनाओं के निर्माण द्वारा विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1826	13-10-25 15:30:00
2	**ADVT-BCT-MRU-OSN-358-24-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	माटुंगा रोड (एमआरयू) स्टेशन पर 3 वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	13-10-25 15:40:00
3	**ADVT-BCT-STC-OSN-300-25-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	सांताक्रूज़ (एसटीसी) स्टेशन पर एस्केलेटर और सीढ़ियों के खंभों पर डिस्प्ले बोर्ड के माध्यम से तीन वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	13-10-25 15:50:00
4	**ADVT-BCT-GMN-OSN-361-25-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	गोरेगांव (जीएमएन) स्टेशन पर 3 वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	13-10-25 16:00:00
5	**ADVT-BCT-DDR-OSN-339-25-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	दादर (डीडीआर) स्टेशन के 1096 प्लेटफार्म पर 3 वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	13-10-25 16:10:00

संपर्क विवरणः लैंडलाइन नंबरः 02267644212. ईमेल आईडीः acmadvtgbct@gmail.com नोटः संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट-वार विवरण नीचे दिए गए कैटलॉग में उपलब्ध हैं।
0635

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

लेह के हर कोने में सन्नाटा, सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद इंटरनेट सेवाएं बंद

लेह। लद्दाख में बुधवार को हुई हिंसा के सिलसिले में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के कुछ ही घंटों बाद, प्रशासन ने शुक्रवार को लेह में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दीं। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। 59 वर्षीय वांगचुक ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया और लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग की। नवप्रवर्तक-सुधारवादी वांगचुक ने केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) के लिए राज्य का दर्जा देने की भी मांग की है, जिसे अगस्त 2019 में केंद्र द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद जम्मू और कश्मीर से अलग कर दिया गया था।

गृह मंत्रालय (एमएचए) ने वांगचुक द्वारा स्थापित एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख (एसईसीएमओएल) का विदेशी फंडिंग लाइसेंस भी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया। अपने आदेश में, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि वांगचुक के एनजीओ ने नकद राशि प्राप्त की, जो विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम की धारा 17 का उल्लंघन है। गृह मंत्रालय के आदेश में कहा गया कि इसके अलावा, एसोसिएशन द्वारा सोनम वांगचुक से एफसी दान के रूप में 3.35 लाख रुपये की राशि की सूचना दी गई है। हालाँकि, यह लेनदेन एफसीआरए खाते में नहीं दिखाया गया है, जो अधिनियम की धारा 18 का उल्लंघन है।

इस बीच, वांगचुक ने अपने खिलाफ सरकार की कार्रवाई की आलोचना करते हुए इसे 'बलि का बकरा बनाने की रणनीति' बताया है। समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए, वांगचुक ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार उनके खिलाफ मामला बना रही है और उन्हें कुछ साल की कैद की सजा देने की योजना बना रही है। उन्होंने यह भी कहा कि वह जेल जाने को तैयार हैं। वांगचुक ने कहा कि यह कहना कि यह मेरे द्वारा या कभी-कभी कांग्रेस द्वारा उकसाया गया था, समस्या की जड़ तक पहुँचने के बजाय, बलि का बकरा ढूँढ़ने जैसा है, और इससे हमें कोई फायदा नहीं होगा।' उन्होंने आगे कहा, 'वे किसी और को बलि का बकरा बनाने में चतुर हो सकते हैं, लेकिन वे बुद्धिमान नहीं हैं।

ओडिशा में भारी बारिश की आशंका, 18 जिले हाई अलर्ट, सरकार ने कमर कसी

भुवनेश्वर। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने एक नए निम्न दबाव के क्षेत्र के कारण भारी बारिश की भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की चेतावनी के बाद ओडिशा सरकार ने 18 जिलों को हाई अलर्ट पर रखा है। विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) देवरंजन कुमार सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के ज़रिए ज़िला कलेक्टरों को निर्देश जारी करते हुए किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार रहने का आग्रह किया है।

मौसम प्रणाली के और तेज़ होने की संभावना

भुवनेश्वर मौसम विज्ञान केंद्र की निदेशक मनोरमा मोहंती के अनुसार, ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव में गुरुवार शाम 5:30 बजे निम्न दबाव प्रणाली विकसित हुई। 26 सितंबर की शाम तक इसके और मज़बूत होकर एक अवदाब में बदलने और 27 सितंबर की सुबह दक्षिण ओडिशा-उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों पर पहुँचने की उम्मीद है।

जिले सबसे ज़्यादा अलर्ट पर

कोरापुट और मलकानगिरी जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है, जबकि दक्षिण ओडिशा के अन्य जिलों में भी भारी बारिश होने की संभावना है। कोरापुट, मलकानगिरी और नवरंगपुर के जिला कलेक्टरों ने सभी सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं और उन्हें अपने स्टेशनों से बाहर न निकलने का निर्देश दिया है। रायगढ़, गजपति, कालाहांडी, गंजम, पुरी, खुर्दा, जगतसिंहपुर, कटक, केंद्रपाड़ा, बालासोर और नुआपाड़ा के कलेक्टरों को भी पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।

आपातकालीन बल तैनात

अधिकारियों को ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ) और अग्निशमन सेवा की टीमों को संवेदनशील इलाकों में तैनात करने का निर्देश दिया गया है। एसआरसी सिंह ने जनता को आश्वासन दिया कि सरकार स्थिति पर कड़ी नज़र रख रही है और लोगों से घबराने की ज़रूरत नहीं है।

रूसी सेना में अभी भी 27 भारतीय, सरकार रिहाई को लेकर सक्रिय, पहले 98 लौटे

नई दिल्ली।विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि 27 भारतीय नागरिक वर्तमान में रूसी सेना में सेवारत हैं। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार, 27 भारतीय नागरिक वर्तमान में रूसी सेना में सेवारत हैं। हम इस मामले में उनके परिवारों के साथ निरंतर संपर्क में हैं। हमने अपने नागरिकों की रिहाई के लिए इस मुद्दे को पुरज़ोर तरीके से उठाया है। हम एक बार फिर सभी भारतीय नागरिकों से रूसी सेना में सेवा देने के प्रस्तावों से दूर रहने का आग्रह करते हैं, क्योंकि ये खतरे और जान के लिए जोखिम से भरे हैं। दो हफ़्ते पहले, मंत्रालय ने भारतीय पुरुषों को रूसी सेना में भर्ती होने के लिए बहकाए जाने और रूस-यूक्रेन संघर्ष के अग्रिम मोर्चे पर भेजे जाने की खबरों के बाद अपनी चेतावनी दोहराई थी।

जायसवाल ने कहा कि हमने हाल ही में रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती की खबरें देखी हैं।' उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने इस तरह की भर्ती के खतरों को बार-बार उजागर किया है। इस साल की शुरुआत में, विदेश मंत्रालय ने संसद को बताया था कि 127 भारतीय रूसी सशस्त्र बलों में शामिल हो गए हैं। इनमें से 98 को नई दिल्ली और मॉस्को के बीच निरंतर बातचीत और उच्चतम स्तर पर चर्चा के बाद सेवामुक्त कर दिया गया। उस समय, 13 भारतीय सेवा में थे, जिनमें से 12 लापता बताए गए थे। भारत स्थित रूसी दूतावास ने पिछले साल कहा था कि वह अब अपनी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती नहीं कर रहा है। यह बयान जुलाई 2024 में मॉस्को में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई बातचीत के बाद आया था। दूतावास ने यह भी कहा कि वह यूक्रेन में पहले से तैनात भारतीयों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए भारतीय अधिकारियों के साथ 'निकट समन्वय' में काम कर रहा है।

पटना में ऑटो और ई-रिक्शा पर अनिवार्य होगा बारकोड, स्कैनिंग करने पर वाहन और चालक की मिलेगी पूरी जानकारी

पटना। पटना जिले में ऑटो और ई-रिक्शा से सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पटना कमिश्नरी ने एक महत्वपूर्ण फैसला किया है। जिले में परमिट प्राप्त ऑटो और ई-रिक्शा पर अब बारकोड लगाना अनिवार्य होगा। इस बारकोड में वाहन और चालक की पूरी जानकारी दर्ज होगी, जिसे यात्री स्कैन करके देख सकेंगे। साथ ही प्रवर्तन टीम को भी ऑटो और चालकों से संबंधित सारी जानकारी आसानी से मिल जाएगी। यदि कोई चालक बिना बारकोड के वाहन चलाते पकड़ा जाएगा, तो उस पर जुर्माना लगाया जाएगा।

आवेदन की प्रक्रिया जल्द होगी शुरू

विभाग जल्द ही नए परमिट के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। इसके लिए एक पोर्टल विकसित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से वाहन स्वामी जोनवार आवेदन कर सकेंगे। आवेदन प्रक्रिया की पूरी जानकारी आवेदकों को समाचार पत्रों के माध्यम से दी जाएगी। प्रत्येक वाहन स्वामी एक जोन के अंदर अधिकतम तीन रूटों के परमिट के लिए आवेदन कर सकेंगे, लेकिन परमिट केवल एक रूट के लिए जारी होगा। हालांकि कुछ निर्धारित शर्तों के साथ आपात स्तिथि या सीएनजी-पेट्रोल लेने के लिए अन्य रूट में वाहन चलाने की छूट दी जाएगी।

जोन आधारित व्यवस्था और नए रूट

ऑटो और ई-रिक्शा के परिचालन को व्यवस्थित करने के लिए विभाग नए रूट तैयार कर रहा है। हाल ही में जाम की समस्या को कम करने के लिए शहर को तीन जोन- पीला, ब्लू और हरा में बांटा गया है। इसके अलावा, रिजर्व ऑटो और ई-रिक्शा के लिए एक अलग जोन भी बनाया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत ऑटो और ई-रिक्शा को केवल निर्धारित जोन में ही चलाने की अनुमति होगी, जिससे शहर में यातायात सुगम होगा।

पुतिन को लेकर अनाप-शनाप बोल रहे थे ट्रंप, तभी पीएम मोदी के रूस पर ऐलान ने पलट दी बाजी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबजा शरीफ और ऑपरेशन सिंदुर में हिंद की सेना से पिटकर दुम दबाकर भागने वाले फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ गलबहियां करते प्रेसिडेंट ट्रंप की तस्वीर इस बात का सबसे बड़ा सबूत है कि अमेरिका अब भारत का ट्रेडिंग पार्टनर नहीं बल्कि सबसे बड़ा कॉम्पटीटर बन चुका है। अमेरिका अब भारत से डरता है। डोनाल्ड ट्रंप ये मानकर चल रहे थे कि जिस तरह से पाकिस्तान उनके सामने खड़ा है, वैसे ही भारत भी खड़ा होगा। लेकिन अपने काम में व्यस्त पीएम मोदी तो डोनाल्ड ट्रंप का फोन तक नहीं उठाते। ऐसे में पीएम मोदी को चिढ़ाने के लिए डोनाल्ड ट्रंप अपने साथ इन दोनों को खड़ा कर रहे हैं। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप अब सिर्फ पीएम मोदी को ही नहीं बल्कि पुतिन को भी सरेआम कोस रहे हैं। ट्रंप ने अचानक जेलेंस्की की तारीफ भी शुरू कर दी है। लेकिन जिस वक्त ट्रंप पुतिन को लेकर अनाप शनाप बोल रहे थे और शहबाज-मुनीर को गले लगा रहे थे। ठीक उसी वक्त पीएम मोदी ने पूरा खेल पलट दिया। पीएम मोदी ने रूस और रूसी हथियारों पर बहुत बड़ा ऐलान कर दिया। रूस के उप प्रधानमंत्री दिमित्री पत्रुशेव से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने कृषि, खाद, खाद्य प्रसंस्करण और आपसी हित के अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया।

अमेरिका या कनाडा में कदम रख कर दिखाओ...मोदी के जेम्स बॉन्ड डोभाल को खालिस्तानी पन्नू का चैलेंज, जवाब देखने वाला होगा

वांशिगटन। खालिस्तानी अलगाववादी और अलगाववादी समूह सिख फॉर जस्टिस के संयोजक इंद्रजीत सिंह गोसल ने कनाडा की ओंटारियो जेल से ज़मानत पर रिहा होने के तुरंत बाद एक भड़काऊ वीडियो जारी किया। उन्होंने अपने सहयोगी गुरपतवंत सिंह पन्नू के साथ मिलकर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को एक धमकी भरा वीडियो जारी किया, जिसमें उन्हें कनाडा, अमेरिका या किसी भी यूरोपीय देश में आकर प्रत्यर्पित करने की चुनौती दी गई। पन्नू ने कहा कि अजीत डोभाल, आप कनाडा, अमेरिका या किसी यूरोपीय देश में आकर मुझे गिरफ़्तार करने या प्रत्यर्पण करने की कोशिश क्यों नहीं करते? डोभाल, मैं आपका इंतज़ार कर रहा हूँ।

गोसल ने ओंटारियो जेल गेट के बाहर एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने कहा कि भारत, मैं गुरपतवंत सिंह पन्नू का समर्थन करने और 23 नवंबर, 2025 को खालिस्तान जनमत संग्रह आयोजित करने के लिए बाहर हूं। दिल्ली बनेगा खालिस्तान।' पन्नू भारत द्वारा घोषित आतंकवादी है। कनाडा की पुलिस ने खालिस्तानी नेता इंदरजीत सिंह गोसल को ओंटारियो प्रांत के व्हिटबी शहर में हथियारों से जुड़े दर्जन से अधिक अपराधों के आरोप में बीते हफ्ते गिरफ्तार किया था। ओंटारियो प्रांतीय पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को गोसल को बंदूक का लापरवाही से इस्तेमाल करने और अन्य संबंधित अपराधों के लिए गिरफ्तार किया गया था। 36 वर्षीय गोसल को ओशावा की अदालत में पेश किया गया। अदालत में उस पर टोरंटो निवासी 23 वर्षीय अरमान सिंह और न्यूयॉर्क निवासी 41 वर्षीय जगदीप सिंह के साथ आरोप लगाये गये।

इंदरजीत सिंह गोसल, खालिस्तान पर जनमत संग्रह अभियान चला रहा है। उसने यह जिम्मेदारी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद संभाली थी। निज्जर की सरे, ब्रिटिश कोलंबिया में गोली मारकर हत्या की गई थी। सीबीसी की खबर के अनुसार, गोसल सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) का भी सदस्य है। खबर के अनुसार गोसल ने सोमवार को कॉल या संदेश का कोई जवाब नहीं दिया। एसएफजे एक अलग सिख राष्ट्र की मांग को लेकर अभियान चलाता रहा है और इसके नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू को भारत सरकार द्वारा आतंकवादी घोषित किया जा चुका है। कनाडा में भारत के बाहर सबसे बड़ी सिख आबादी रहती है।

रायपुर में स्टील प्लांट का ढांचा गिरने से छह लोगों की मौत, कई घायल

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शुक्रवार को एक निजी इस्पात संयंत्र में एक ढाँचा ढह जाने से छह श्रमिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पुष्टि की कि यह घटना शहर के बाहरी इलाके सिलतारा इलाके में गोदावरी इस्पात लिमिटेड के संयंत्र में हुई। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर भेजी गई और बचाव अभियान शुरू किया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पाँच मज़दूरों की मौत हो गई और पाँच अन्य घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि घायल मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि बचाव कार्य जारी है, क्योंकि और लोगों के फंसे होने की आशंका है।

इस बीच, पुलिस दल घटनास्थल पर पहुँच गए हैं और इलाके में व्यापक बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है।

इजरायली अटैक से गाज़ा में 17 की मौत, सीजफायर का बढ़ा दबाव

गाज़ा में गभग दो साल के खूनी युद्ध के बाद, फिलिस्तीनी अपनी बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस युद्ध ने इस क्षेत्र को तबाह और बुनियादी वस्तुओं से वंचित कर दिया है। गाज़ा शहर से विस्थापित 35 वर्षीय फिलिस्तीनी खालिद अबू अल्बा ने कहा हम बस जीवित रहने के लिए न्यूनतम चीज़ें चाहते हैं और यहाँ अल-मवासी में हमारे पास वह भी नहीं है। 50 वर्षीय उम यूसुफ अल-शायर ने कहा कि यह क्षेत्र भीड़भाड़ वाला हो गया है क्योंकि लाखों फिलिस्तीनी वहाँ शरण लेते हैं।

इस्राइली अटैक से गाज़ा में 17 की मौत

गाजा में इस्राइल के हमलों में 17 फिलिस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें 10 बच्चे और 3 महिलाएं शामिल हैं। ये हमले ऐसे समय हो रहे हैं जब दुनिया भर में इस्राइल और हमास के बीच जंग रोकने के लिए दबाव बढ़ता जा रहा है। गाजा के देइर अल-बलाह इलाके में गुरुवार तड़के इस्राइल ने घरों और टेंटों पर एयरस्ट्राइक किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भी गाजा का मुद्दा उठा।

दर्जनों कंपनियों को यूएन ने किया ब्लैकलिस्ट

संयुक्त राष्ट्र ने 69 कंपनियों को उन संस्थाओं की काली सूची में शामिल

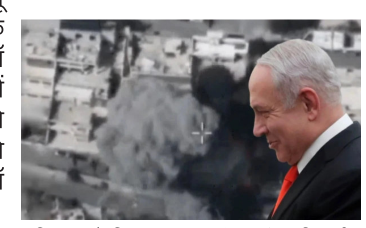

किया है जिन पर क़ब्ज़े वाले पश्चिमी तट में इज़राइली बस्तियों से अपने व्यावसायिक संबंधों के ज़रिए फ़िलिस्तीनी मानवाधिकारों के उल्लंघन में मिलीभगत का आरोप है। इस सूची में निर्माण सामग्री और अर्थ-मूवर विक्रेताओं के साथ-साथ सुरक्षा, यात्रा और वित्तीय सेवाएँ प्रदान करने वाली कई कंपनियाँ शामिल हैं।

अमेरिका में धोखाधड़ी आरोपों में भारतीय मूल के डॉक्टर को सुनायी गयी 14 साल की कैद

वांशिगटन। अमेरिका में भारतीय मूल के एक डॉक्टर को स्वास्थ्य सेवा फर्जीवाड़ा, इलेक्ट्रानिक्स संचार माध्यमों से धोखाधड़ी और नियंत्रित पदार्थों के अवैध वितरण की 'साजिश रचने' और धन शोधन से संबंधित अपराधों को लेकर 168 माह यानी 14 साल की कैद की सजा सुनाई गई है। अमेरिका के न्याय विभाग ने यह जानकारी दी। न्याय विभाग ने एक बयान में कहा कि पेन्सिलवेनिया में बेन्सलेम के 48 वर्षीय डॉक्टर नील के. आनंद को 20 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक की क्षतिपूर्ति और 20 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक की जब्ती का भी आदेश दिया गया है। आनंद को इस साल अप्रैल में मेडिकेयर, अमेरिकी कार्मिक प्रबंधन कार्यालय (ओपीएम), इंडिपेंडेंस ब्लू क्रॉस (आईबीसी) तथा अन्य में अनावश्यक दवाओं संबंधित दावे प्रस्तुत करने की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था। न्याय विभाग के मंगलवार के बयान में कहा गया है कि ये दवाएं आनंद के स्वामित्व वाली विभिन्न फार्मेसी द्वारा

मरीजों को दी जाती थीं। बयान में कहा गया है, ''कुल मिलाकर, मेडिकेयर, ओपीएम, आईबीसी और एंथम ने 24 लाख अमेरिकी डॉलर से ज़्यादा की प्रतिपूर्ति की। मरीजों को उत्पाद के साथ मिलने वाले तोहफे लेने के लिए लुभाने के लिए आनंद ने चिकित्सा पद्धति के सामान्य चलन से हटकर और बिना किसी जायज चिकित्सीय उद्देश्य के ऑक्सीकोडोन वितरित करने की भी साजिश रची।''

बयान के मुताबिक षड्यंत्र के तहत बिना लाइसेंस वाले मेडिकल प्रशिक्षु ने आनंद द्वारा पूर्व-हस्ताक्षरित खाली पर्चियों पर नियंत्रित पदार्थों के लिए नुस्खे लिखे। विभाग ने कहा कि योजना के तहत, आनंद ने नौ अलग-अलग मरीजों के लिए 20,850 ऑक्सीकोडोन गोलियां लिखीं, लेकिन जब उसे पता चला कि उसके खिलाफ जांच चल रही है, तो आनंद ने एक रिश्तेदार के नाम पर और एक नाबालिग रिश्तेदार के लाभ के लिए एक खाते में लगभग 12 लाख अमेरिकी डॉलर अंतरित करके धोखाधड़ी वाली आय को छुपा लिया।

इजरायल को ये काम खत्म करना होगा...नेतन्याहू ने दिया दुनिया को जवाब, भाषण के वक्त हॉल से बाहर निकले कई देश

इजरायल के प्रधानमंत्री ने कई पश्चिमी देशों की आलोचना की है जिन्होंने इस सप्ताह फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता दी है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि गाज़ा में हमास के खिलाफ इज़रायल को यह काम खत्म करना होगा। उनके इस बयान का मतलब गाजा में हमास के पूर्ण खात्मे को लेकर है। यूएनजीए में जैसे ही नेतन्याहू का भाषण शुरू होने वाला था, तभी कई देशों के प्रतिनिधि सामूहिक रूप से महासभा कक्ष से बाहर चले गए।

इज़राइली प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र में अपना लगभग 45 मिनट का भाषण समाप्त किया, और मंच से उतरते ही तालियाँ बजीं। उन्होंने एक अंतिम चुनौतीपूर्ण संदेश के साथ भाषण समाप्त किया, जिसमें उन्होंने कहा कि इज़राइल समस्त मानवता के लाभ के लिए प्रगति, सरलता और नवाचार का प्रकाश स्तंभ बनना चाहता है। उन्होंने कहा कि 7 अक्टूबर को, इज़राइल के दुश्मनों ने उस प्रकाश को बुझाने की कोशिश की। इज़राइल का संकल्प और इज़राइल की शक्ति पहले से कहीं अधिक प्रज्वलित हुई है, ईश्वर की सहायता से, वह शक्ति और वह संकल्प हमें शीघ्र विजय, समृद्धि और शांति के एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाएगा।

नेतन्याहू अपने भाषण के अंत में दावा किया कि इज़राइल का युद्ध, जो लगभग दो वर्षों से व्यापक रूप से बढ़ने का जोखिम पैदा कर रहा है, क्षेत्रीय शांति की ओर ले जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि नवंबर में हिज़्बुल्लाह के साथ हुए युद्धविराम समझौते का इज़राइल द्वारा बार-बार उल्लंघन किए जाने के बावजूद, इज़राइल और लेबनान के बीच शांति संभव है। उन्होंने सीरिया के साथ चल रही बातचीत की सराहना की, जबकि सीरियाई अधिकारी इज़राइली हमलों की निंदा कर रहे हैं। हमारी जीत ऐतिहासिक अब्राहम समझौते के नाटकीय विस्तार और विस्तार की ओर ले जाएगी, जिसे राष्ट्रपति ट्रम्प ने पांच साल पहले अरब नेताओं और मेरे बीच मध्यस्थता के लिए कराया था।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)